epaper.dehatsandesh.com

3 शांतमनु ने श्रीनगर में 'एससीईआरटी ऑन व्हील्स' को हरी झंडी दिखाई

5 कनाडिया ओपन विंबलडन चैंपियन इगा स्वियातेक ने तीसरे दौर में आसान जीत दर्ज की

8 तोरिया : कम समय में पकने वाली फसल

न्यूनतम 25

मौसम जम्मू

अधिकतम 29

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-189 | जम्मू तवी, शुक्रवार 01 अगस्त, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के लिए 6,520 करोड़ रुपए के परिव्यय को मंजूरी

नई दिल्ली, 31 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में किसानों और रेलवे से जुड़ी कई बड़ी घोषणाएं की गईं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और अन्य मंत्रियों ने बताया कि कुल छह अहम फैसलों को मंजूरी दी गई, जिनका सीधा असर देश के किसानों, कोऑपरेटिव संस्थाओं और रेलवे नेटवर्क पर पड़ेगा। कैबिनेट ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को 2000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। इस योजना से देश के 94 प्रतिशत किसान वर्ग को लाभ मिलेगा। इसके तहत 2025-26 से लेकर 2028-29 तक के लिए यह सहयोग जारी रहेगा। सरकार का लक्ष्य है कि इससे सहकारी संस्थाएं और अधिक मजबूत होकर किसानों की आय बढ़ाने में भूमिका निभाएं। मोदी सरकार ने PMKSY के लिए कुल 6520 करोड़ रुपये के परिव्यय को मंजूरी दी है, जिसमें 1920 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि शामिल है। इस योजना के अंतर्गत- 1000

□प्रधानमंत्री कैबिनेट का बड़ा ऐलान, किसानों को राहत, रेलवे को नई रफ्तार–छह अहम फैसलों पर लगी मुहर

□ कैबिनेट ने एन.सी.डी.सी. के लिए मंजूर की 2,000 करोड़ रुपए की अनुदान सहायता

करोड़ रुपये से खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं और विकिरण इकाइयों की स्थापना की जाएगी। 100 मान्यता प्राप्त फूड टेस्टिंग लैब्स और 50 फूड इरिडेशन यूनिट्स स्थापित की जाएंगी। अन्य घटक योजनाओं राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के लिए 920 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि फूड प्रोसेसिंग सेक्टर का एक्सपोर्ट 11 वर्षों में दोगुना होकर 5 बिलियन डॉलर से बढ़कर 11 बिलियन डॉलर पहुंच चुका है। कैबिनेट ने इटारसी से नागपुर तक चौथी रेलवे लाइन बिछाने को मंजूरी दी है। इस प्रोजेक्ट से इस महत्वपूर्ण रेल रूट की क्षमता और स्पीड दोनों बढ़ेगी। वर्तमान में तीसरी लाइन पर काम चल रहा है, और अब चौथी लाइन का रास्ता भी साफ हो गया है। सरकार ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड के 13 जिलों में फैली चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं के जरिए भारतीय रेलवे का नेटवर्क लगभग 574 किलोमीटर तक विस्तारित किया जाएगा, जिससे यात्रियों और माल ढुलाई दोनों को लाभ होगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को 15वें वित्त आयोग चक्र 2021-22 से 2025-26 तक के दौरान चल रही केंद्रीय क्षेत्र की प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) के लिए 1,920 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि सहित कुल 6,520 करोड़ रुपए के परिव्यय को मंजूरी दी। इस मंजूरी में पीएमकेएसवाई योजना की घटक योजना- इंटीग्रेटेड कोल्ड चेन एंड वैल्यू एडिशन इंफ्रास्ट्रक्चर (आईसीसीवीएआई) के तहत 50 मल्टी प्रोडक्ट फूड इरैडिएशन यूनिट की स्थापना के लिए 1,000 करोड़ रुपए और बजट घोषणा के अनुरूप पीएमकेएसवाई योजना की घटक योजना- फूड सेफ्टी एंड क्वालिटी एश्योरेंस इंफ्रास्ट्रक्चर (एफएसक्यूएआई) के तहत एनएबीएल मान्यता प्राप्त 100 फूड टेस्टिंग लैब की स्थापना के लिए और 15वें वित्त आयोग चक्र के दौरान पीएमकेएसवाई की विभिन्न घटक योजनाओं के तहत परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए 920 करोड़ रुपए शामिल हैं।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल की सूची तैयार

नयी दिल्ली, 31 जुलाई। चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए निर्वाचक-मंडल की सूची तैयार कर ली है और यह जल्दी ही इसे बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है। आयोग ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि निर्वाचक-मंडल की सूची के सदस्यों के नाम उनके सदन के राज्य और केन्द्र शासित क्षेत्रों के सदस्यों के नामों के वर्णानुक्रम के अनुसार क्रमागत तरीके से रखा गया है। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में राज्य सभा के निर्वाचित और मनोनीत सदस्य तथा लोक सभा के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं।

राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति निर्वाचन अधिनियम 1974 के नियम 40 के अनुसार इन चुनावों के लिए निर्वाचक मंडल (मतदाता सूची) तैयार करने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की होती है। इसमें उनका अद्यतन पता भी शामिल होता है। आयोग ने कहा कि उपराष्ट्रपति के चुनाव के निर्वाचक मंडल की अद्यतन सूची को उसकी ओर से स्थापित काउंटर से खरीदा जा सकेगा। इसके लिए बिक्री शुरू करने की तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी।

राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति निर्वाचन अधिनियम 1974 के नियम 40 के अनुसार इन चुनावों के लिए निर्वाचक मंडल (मतदाता सूची) तैयार करने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की होती है।

मालेगांव ब्लास्ट केस, मुख्यमंत्री योगी-धामी का कांग्रेस पर वार, देश से माफी मांगने की मांग की

मालेगांव बम विस्फोट मामले में सभी सातों आरोपी बरी

मुंबई, 31 जुलाई। राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने मालेगांव में हुए बम विस्फोट के 17 वर्ष बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर सहित सभी सात आरोपियों को गुरुवार को बरी कर दिया। अदालत ने सुश्री ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, मेजर रमेश उपाध्याय (सेवानिवृत्त), अजय राहिरकर, समीर कुलकर्णी, सुधाकर चतुर्वेदी और सुधाकर धर द्विवेदी को बरी कर दिया है। एनआईए अदालत की अध्यक्षता कर रहे विशेष न्यायाधीश ए के लाहोटी ने सभी आरोपियों को बरी करने की घोषणा करते हुए कहा, आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता क्योंकि कोई भी धर्म हिंसा को उचित नहीं ठहरा सकता। अधिवक्ता रंजीत नायर ने कहा,卐मैं आरोपी संख्या 11 सुधाकर चतुर्वेदी की तरफ से मामले की पैरवी कर रहा था। अदालत ने उसे इस आधार पर बरी कर दिया है कि अभियोजन पक्ष उसके खिलाफ कोई सबूत पेश नहीं कर सका। अधिवक्ता प्रकाश सालसिंगिकर ने मीडिया को बताया,卐अदालत ने कहा है कि यह घटना बहुत बुरी है। हालांकि, इस घटना में जिन लोगों की जानें गयी हैं उनकी क्षतिपूर्ति नहीं की जा सकती, लेकिन अदालत ने सभी के परिजनों को वित्तीय मदद देने का

आदेश दिया है। इस फैसले से पहले दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय के आसपास कड़े सुरक्षा उपाय किए गए थे और न्यायालय परिसर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। गौरतलब है कि 29 सितंबर, 2008 की रात मालेगांव के भिक्कू चौक के पास हुए विस्फोट में छह लोग मारे गए थे और सौ से ज़्यादा घायल हुए थे। यह बम एक एक मोटरसाइकिल में लगाया गया था। इस विस्फोट से सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील इस शहर में दहशत और अफरा-तफरी मच गई। इस मामले में पहले महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते ने जाँच की थी लेकिन वर्ष 2011 में इस मामले को एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया था। एनआईए ने इस मामले को फिर से दर्ज किया और जांच की थी। तब से, कई आरोपपत्र और पूरक रिपोर्ट दायर की जा चुकी हैं। इस मामले के सातों आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय होने के बाद वर्ष 2018 में मुकदमा शुरू हुआ था।

SIR पर विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा और राज्यसभा स्थगित

नई दिल्ली,31 जुलाई। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल द्वारा अमेरिका द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने पर बयान देने के तुरंत बाद, बिहार में मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया पर विपक्षी सदस्यों के विरोध प्रदर्शन के कारण गुरुवार को लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। दिन में पहले कई बार स्थगित होने के बाद शाम 4 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही, अध्यक्ष ओम बिरला ने गोयल को अपना बयान देने के लिए बुलाया। जैसे ही बयान समाप्त हुआ, विपक्षी सांसद आसन के पास पहुँच गए और बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग करते हुए नारे लगाने लगे। बिरला ने प्रदर्शनकारी सांसदों से कहा, अगर आप चर्चा करना चाहते हैं, तो अपनी सीटों पर जाएँ और अगर नारे लगाने हैं तो सड़कों पर उतरें।

श्रद्धालुओं की संख्या 4 लाख के पार पहुंची, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया चमत्कार

श्रीअमरनाथ यात्रा

जम्मू, 31 जुलाई। श्रीअमरनाथ यात्रा 2 025 में श्रद्धालुओं की संख्या 4 लाख के पार पहुंच गई है। गुरुवार को बालटाल आधार शिविर से श्रद्धालुओं को आगे बढ़ने की अनुमति मिलने के बाद यह आंकड़ा पार हुआ। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस उपलब्धि की जानकारी दी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, बाबा अमरनाथ असंभव को भी संभव बनाते हैं। उनके आशीर्वाद से गुरुवार को पवित्र यात्रा ने 4 लाख का आंकड़ा पार कर लिया है। मैं इस चमत्कार के लिए भगवान शिव को नमन करता हूं और पवित्र यात्रा को श्रद्धालुओं के लिए एक दिव्य अनुभव बनाने में शामिल सभी लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।

उन्होंने लिखा, देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं का रिकॉर्ड संख्या में दर्शन और आगमन भारत की एकता और चुनौतियों पर विजय पाने के उसके संकल्प का प्रमाण है। मैं उन श्रद्धालुओं का हृदय से आभारी हूं, जिन्होंने अपार आस्था दिखाई है और हमारी अमूल्य आध्यात्मिक विरासत को सुदृढ़ किया है। उपराज्यपाल ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, यह दिव्य यात्रा अतुलनीय है, इसलिए नहीं कि यह कठिन और चुनौतीपूर्ण है, बल्कि इसलिए कि यह परमानंद की एक अद्वितीय यात्रा है। यह एक आध्यात्मिक अनुभव है और भक्तों को स्वयं को जानने का अवसर देता है, गहरी आस्था का संचार करता है और हृदयों को अनंत

कृतज्ञता से भर देता है। गुरुवार सुबह जम्मू स्थित भगवती नगर यात्री निवास से श्रद्धालुओं की आवाजाही स्थगित कर दी गई थी, लेकिन बाद में गंदेरबल जिले के बालटाल आधार शिविर से श्रद्धालुओं को श्रीअमरनाथ गुफा की ओर जाने की अनुमति दे दी गई। यात्री गुफा मंदिर तक, पारंपरिक पहलगाम मार्ग या छोटे बालटाल मार्ग के जरिए पहुंचते हैं। पहलगाम की ओर से यात्रा करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल आधार शिविर का उपयोग करने वाले श्रद्धालु दर्शन करने के बाद उसी दिन कैंप में लौट आते हैं।

महबूबा ने पुलिस गोलीबारी में मारे गए युवक के परिवार को सांत्वना दी

जम्मू तवी,31 जुलाई। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने गुरुवार को उस युवक के शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की, जिसकी जम्मू शहर में संदिग्ध तस्करों का पीछा कर रही पुलिस के बीच हुई गोलीबारी में कथित तौर पर मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि जवाबदेही और कानून का शासन कायम रहना चाहिए।

जम्मू के निक्की तवी इलाके के रहने वाले 21 वर्षीय गुज्जर युवक परवेज अहमद की कथित तौर पर पुलिस गोलीबारी में मौत हो गई, जब पुलिस ने दावा किया कि वे गुरुवार को सतवारी इलाके में मादक पदार्थ तस्करों का पीछा कर रहे थे। उसकी हत्या के बाद समुदाय में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं और उसके परिवार ने पुलिस पर एक निर्दोष व्यक्ति की 卐फर्जी卐 मुठभेड़ में हत्या करने का आरोप लगाया है।

मुफ्ती ने घटना की समयबद्ध और निष्पक्ष जांच की मांग की और कहा कि इस तरह की न्यायिक हत्याओं का लोकतांत्रिक समाज में कोई स्थान नहीं है।

ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर से यहाँ पहुँचीं पूर्व मुख्यमंत्री ने मृतक युवक के घर जाकर अपनी संवेदनाएँ व्यक्त कीं और परिवार का दुख साझा किया। पीडीपी अध्यक्ष, जो कई पार्टी नेताओं के साथ थीं, ने परिवार से मुलाकात की और उन्हें न्याय का आश्वासन दिया। अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए, उन्होंने न्याय की तलाश में उन्हें पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया।

पाक डीजीएमओ ने युद्धविराम की मांग की थी, सरकार ने राज्यसभा को बताया

नई दिल्ली, 31 जुलाई। भारत ने गुरुवार को दोहराया कि पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) ने 10 मई को अपने भारतीय समकक्ष से गोलीबारी और सैन्य गतिविधियों को रोकने का अनुरोध किया था, जिस पर उसी दिन बाद में सहमति बन गई थी। भारत ने कहा कि यह सहमति दोनों डीजीएमओ के बीच सीधे बनी थी। विदेश मंत्रालय (एमईए) से पूछा गया था कि क्या यह सच है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम वार्ता में किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप की बात कही गई थी। राज्यसभा में प्रश्न के लिखित उत्तर में, विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा, नहीं महोदय। 10 मई 2025 को, पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) ने अपने भारतीय समकक्ष से गोलीबारी और सैन्य गतिविधियों को रोकने का अनुरोध किया था, जिस पर उसी दिन बाद में सहमति बन गई थी। यह सहमति दोनों डीजीएमओ के बीच सीधे बनी थी। केरल के सांसद हारिस

बीरन ने यह भी पूछा कि क्या युद्धविराम के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच कोई द्विपक्षीय समझौता हुआ है, जिसके जवाब में सिंह ने कहा, नहीं। बीरन इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सदस्य हैं। 25 जुलाई को, केंद्र ने संसद को सूचित किया था कि भारत और पाकिस्तान 10 मई को दोनों देशों के सैन्य अभियानों के महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच सीधे संपर्क के परिणामस्वरूप गोलीबारी और सैन्य गतिविधियों को रोकने पर सहमत हुए थे, जिसकी शुरुआत पाकिस्तानी पक्ष द्वारा की गई थी। लोकसभा में प्रश्न के लिखित उत्तर में, सिंह ने यह भी कहा था, हमारे सभी वार्ताकारों को एक समान संदेश दिया गया था कि भारत का दृष्टिकोण केंद्रित, संतुलित और गैर-उग्रवादी था। गुरुवार को राज्यसभा में एक अलग प्रश्न में, विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या यह सच है कि पाकिस्तान को तालिबान के विरुद्ध प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के आतंकवाद-रोधी पैनल का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है; और आतंकवाद का केंद्र होने के बावजूद पाकिस्तान को अध्यक्षता करने की अनुमति कैसे दी गई। सिंह ने कहा कि सुरक्षा परिषद के सहायक निकायों के लिए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों का आवंटन एक नियमित वार्षिक प्रक्रिया है, जो पारंपरिक रूप से सदस्यों के बीच आम सहमति पर आधारित होती है।

संसद की कार्यवाही से विपक्ष के अनुपस्थित रहने से सरकार को आसानी से कानून पारित कराने में मदद मिलती है : आज़ाद

श्रीनगर, 31 जुलाई। पूर्व संसदीय कार्य मंत्री गुलाम नबी आज़ाद ने गुरुवार को कहा कि संसद को सुचारू रूप से चलने दिया जाना चाहिए क्योंकि विपक्ष द्वारा कार्यवाही से अनुपस्थित रहने से सरकार को ही फ़ायदा होता है।

उन्होंने कहा, मैं सदन की कार्यवाही बाधित करने के ख़िलाफ़ हूँ। अगर आप सदन को चलने नहीं देते, तो फिर आप चुने ही क्यों जाते हैं? सदन में आने का मतलब है कि आप संसद में राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू मुद्दों और जनता की समस्याओं को सरकार के सामने उठाएँगे।

आज़ाद की यह टिप्पणी राज्यसभा में विपक्षी दलों के हंगामे के बीच आई है। विपक्षी दलों ने सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर हुई बहस का जवाब न देने और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा उठाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध किया।

आज़ाद ने यहाँ संवाददाताओं से कहा, जब विपक्ष सदन से बहिर्गमन करता है तो सरकार खुश होती है क्योंकि तब वह आसानी से कानून पारित कर सकती है। इसलिए, विपक्ष का बहिर्गमन सरकार के लिए फ़ायदेमंद होता है, न कि उनका विरोध करने के लिए।

मनमोहन सिंह सरकार में मई 2004 से नवंबर 2005 तक संसदीय कार्य मंत्री रहे आज़ाद ने कहा कि वह हमेशा संसद के सुचारू संचालन के पक्षधर रहे हैं। संसद में अपने पहले कार्यकाल को याद करते हुए, आज़ाद ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें संसद में विपक्षी नेताओं के भाषण में बाधा न डालने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा, इंदिरा ने मुझे बुलाया और कहा, आप संसद में बोलने आए हैं, हंगामा करने नहीं। उन्होंने मुझसे कहा कि विपक्षी नेता को बोलने की अनुमति न देकर कोई नेता नहीं बन सकता।

22 अप्रैल को पहलगाम हमले पर, पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राय के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उपरायपाल मनोज सिन्हा ने सुरक्षा चूक की ज़िम्मेदारी ले ली है और अब यह अध्याय यहीं समाप्त हो गया है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि वह अध्याय समाप्त हो गया है। उपरायपाल पहले ही इस बारे में कुछ कह चुके हैं और उन्होंने ज़िम्मेदारी ले ली है और इसके साथ ही यह मामला समाप्त हो जाना चाहिए। हाल ही में हुए ऑपरेशन महादेव पर, जिसमें सुरक्षा बलों ने पहलगाम हमले के लिए ज़िम्मेदार तीन आतंकवादियों को मार गिराया था, आज़ाद ने कहा कि वह सुरक्षा बलों के हर ऑपरेशन का समर्थन करते हैं, लेकिन मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा सुरक्षा बलों के हर ऑपरेशन का समर्थन किया है, यहाँ तक कि जब मैं मुख्यमंत्री था तब भी। सुरक्षा बलों को पूरी आज़ादी थी, लेकिन मेरी बस एक शर्त थी कि ऑपरेशन चलते रहें, लेकिन मानवाधिकारों का उल्लंघन या फ़र्ज़ी मुठभेड़ें नहीं होनी चाहिए अपनी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी (डीपीएपी) के भविष्य के बारे में, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह इसे जारी रखने या न रखने पर फैसला करेंगे।

मुख्य सचिव ने राष्ट्रव्यापी युवा कनेक्ट कार्यक्रम के लिए जम्मू-कश्मीर के विश्वविद्यालयों की तैयारियों की समीक्षा की

श्रीनगर, 31 जुलाई। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम की तैयारियों का मूल्यांकन किया। यह कार्यक्रम भारत के प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में एक प्रमुख पहल है, जिसे 12 अगस्त, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर राष्ट्रव्यापी रूप से शुरू किया जाएगा। भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित इस कार्यक्रम का उद्देश्य 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में भारत की विकास यात्रा में युवाओं को सक्रिय रूप से शामिल करना और उन्हें सशक्त बनाना है। मुख्य सचिव ने सभी 10 विश्वविद्यालयों के उपकुलपतियों से पूर्व-कार्यक्रम गतिविधियों और 12 अगस्त को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम की तैयारियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सभी पूर्व-कार्यक्रम गतिविधियों के लिए एक कैलेंडर तैयार करने का आह्वान किया

ताकि उन्हें बिना किसी चूक के लागू किया जा सके। उन्होंने सभी छात्रों को माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण के लिए प्रेरित करने और इस कार्यक्रम के व्यापक मानकों के अनुसार गतिविधियों को रोचक और जानकारीपूर्ण बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, शांतमनु ने इस कार्यक्रम की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उद्घाटन समारोह 12 अगस्त को देश भर के 1,339 विश्वविद्यालयों में एक साथ आयोजित किया जाएगा, जिनमें केंद्रीय, राज्य, डीम्ड और निजी विश्वविद्यालय शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस दिन प्रधानमंत्री इन सभी संस्थानों में युवाओं को संबोधित करेंगे। लेकिन उससे पहले इन सभी संस्थानों में माई भारत पोर्टल का परिचय कराना होगा। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद इन विश्वविद्यालयों में विकसित भारत प्रस्तुति, युवा संवाद का आयोजन, विकसित भारत शपथ और विजेताओं का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में नशा मुक्त भारत अभियान की भावना को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियाँ आयोजित करने की भी परिकल्पना की गई है। इन गतिविधियों में बच्चों, किशोरों, युवाओं और मास्टर स्वयंसेवकों के साथ प्रशिक्षण और जागरूकता पैदा करना, खेल और शारीरिक गतिविधियाँ, जागरूकता पैदा करने के लिए सेमिनार, वेबिनार या कार्यशालाएँ, और कुछ दिनों पहले मुख्य कार्यक्रम की प्रस्तावना के रूप में नुक्कड़ नाटक, नाटक और नाटक, फ्लैश मॉब, अभियान, चित्रकला प्रतियोगिताएँ और रैलियाँ आयोजित करना शामिल है।

पति को कराएं
बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है।

बच्चे को सही परवरिश देना मां और पिता दोनों का काम होता है, पर बच्चे की परवरिश का जिम्मा मां पर ही आता है। अगर आप चाहती हैं कि आपके पति को भी बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास हो तो इन बातों का ध्यान रखें।

बताएं आप उनकी मदद लेना चाहती हैं

बच्चा होने के बाद कुछ पुरूष यह चाहते हैं कि वो बच्चे की देखभाल करें, पर महिलाएं अक्सर इस संकोच में कि बच्चे का काम पति सही ढंग से कर पाएंगे या नहीं, सोच उनको मना कर देती हैं। अगर आपके पति बच्चे के पालन-पोषण में आपकी मदद करना चाहते हैं तो उनका यह प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार कर लें। उन्हें अपने तरीके से बच्चों की केयर करने दें, हर समय टोकें न, अगर वो कहीं गलत है, तो उन्हें प्यार से बताएं।

भूमिका आनंददायक है

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है। आप उन्हें बताएं कि एक बच्चे की देखभाल करने में जिम्मेदारी तो है, पर इसमें आनंद भी खूब है। बच्चा जब छोटी-छोटी हरकतें करता है तो उन्हें देखने में कितना मजा आता है। इस तरह की बातें जब आप उनसे शेयर करेंगी तो वो खुद ब खुद इसमें रूचि दिखाने लगेंगे।

ग्रुप बनाएं पिता भी

पुरूष अक्सर बच्चों के बारे में बात करने से बचते हैं। महिलाएं तो कई बार ग्रुप में जाकर बच्चों की परेशानियां, आदतें आदि के बारे में चर्चा कर लेती हैं, पर पिता को ऐसा नहीं करते। आप पति को प्रोत्साहित करें कि वो फेसबुक, ब्लॉग, फ्रेंड सर्कल में पिताओं के ग्रुप में शामिल हों। इससे वो सारी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं, साथ ही अन्य पुरूषों से अपने अनुभव साझा कर सकते हैं और उनके अनुभव से सीख सकते हैं।

प्राथमिकता निर्धारित कर उनसे सहयोग मांगें

मां होने के नाते आप प्राथमिकता तय कर लें कि किन-किन बातों में आपको अपने पति की जरूरत पड़ सकती है। यह निर्धारित करने के बाद आप उन्हें बताएं कि आपको उनके सहयोग की कितनी जरूरत है। ऐसा करने से आप एक अच्छा वक्त एक-दूसरे के साथ बिता सकते हैं।

यादों को रखें सहेज कर

आप अपने पति से पूछें कि फादरहुड के दौरान वो कौन-सी पांच बातें थीं, जिनसे उन्हें बेहद खुशी मिली। आप उन सारी बातों को एक छोटी-सी नोटबुक में नोट करें। अगर उससे जुड़ी फोटो आपको पास है तो उसे भी चिपकाएं, ऐसा करने से आप इन छोटी-छोटी और प्यारी बातों को ताउम्र सहेज कर रख सकेंगी।

चमकाएं बाल और त्वचा

अगर आप चमकदार त्वचा और हैल्दी हेयर चाहते हैं तो अपनी फूड लिस्ट मे इन चीजों को शामिल कर सकते हैं। ये चीजें आपको खूबसूरती के साथ-साथ बढ़िया सेहत से भी नवाजेंगी।

विटामिन ए से भरपूर चीजें

क्या लें: गाजर, पालक, ब्रोकली, पपीता, आम, आलू व टमाटर

फायदा: इन चीजों में कैरोटीन होता है, जो सनस्क्रीन का काम करता है और त्वचा को धूप से बचाता है। टमाटर में लाइकोपीन भी सनस्क्रीन का काम करता है, लेकिन जरूरी है कि टमाटर अच्छे से पका हो।

सूखे मेवे

फायदा: इनमें ओमेगा थ्री फैटी एसिड होता है जो त्वचा में नमी बनाए रखता है। अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों को बढ़ाता है, झड़ने और दो मुंहे होने से रोकता है।

विटामिन सी वाली चीजें

फायदा: नींबू, आंवले, संतरे का खट्टापन शरीर में जाकर कोलेजन बनाता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को जवां रखता है, इससे झुर्रियां नहीं पड़तीं और त्वचा के घाव भी जल्दी भरते हैं। विटामिन-सी वाली चीजें आसानी से पच जाती हैं और अधिक मात्रा होने पर यूरिन के रास्ते निकल जाती हैं।

अलसी के बीज

फायदा: खाने को कुरकुरा बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर, ओमेगा थ्री फैटी एसिड व विटामिन ई से त्वचा की नमी बनी रहती है, मुंहासे नहीं होते। रोजाना एक चम्मच प्रयोग करें।

विटामिन बी और कॉपर

पुरूषों के बालों में सफेदी की शुरूआत दाढ़ी से होती है, जबकि महिलाओं में कनपटी की तरफ से। इसके प्रमुख कारण हैं: चिंता करना, विटामिन बी, आयरन, कॉपर और आयोडीन की कमी। इसके लिए धूम्रपान न करें, मटर, ब्रोकली, ब्राउन राइस, गांठ गोभी खाएं व ग्रीन टी पीएं।

तौर-तरीके बदलकर

खुश रहना सीखें

मन खुश हो, तो तन दुरूस्त रहता है। इसलिए खुश रहने के लिए इन सुझावों को आजमा कर देखें -

खुद को एक्सप्रेस करें: अमरीका की वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को खुलकर अभिव्यक्त करने से मन में खुशी के भाव आते हैं।

दूसरों के लिए कुछ करें : फोर्ब्स डॉट कॉम के शोध के मुताबिक दूसरों के लिए कुछ करने से खुशी मिलती है। जब हम किसी की मदद करते हैं, अपनों को उपहार देते हैं या उन पर खर्च करते हैं, तो मन को सुकून मिलता है।

सकारात्मक सोचें: अपनी सोच सकारात्मक रखें और ऐसे लोगों के साथ रहें, जिनसे आपको प्रेरणा मिल सके।

दोस्तों व रिश्तेदारों से अच्छा व्यवहार रखें। यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस के वैज्ञानिकों ने 30 साल तक एक लाख लोगों पर शोध के बाद पाया कि शिक्षा, राजनीति,सैलरी और संबंधों में से सबसे ज्यादा खुशी लोगों को अच्छे संबंधों से होती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं क्योंकि डिहाइड्रेशन होने से कई बार मूड चिड़चिड़ा हो जाता है।

खुद से करें
प्यार का वादा

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

नया साल हमें जिंदगी को एक बार फिर नए तरीके से जीने के लिए कहता है। नए साल पर आप अपने से यह वादा करें कि हमेशा अपने आप से प्यार करेंगी।

अब से आपने चाहे कोई हेयरस्टाइल करवाई हो या फिर कोई नई ड्रेस पहनी हो तो उसमें खुद को अच्छा महसूस करेंगी। अपने अंदर यह आत्मविश्वास लाएंगी कि आप जो भी पहन रही हैं, उसमें पूरी तरह परफेक्ट लग रही हैं।

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

कुछ महिलाएं अपनी त्वचा के रंग को लेकर हमेशा असंतुष्ट रहती हैं, पर आप बिल्कुल भी ऐसा न करेंगी। आप अपनी त्वचा के रंग पर परेशान होने के बजाय यह कोशिश करेंगी कि आपकी त्वचा हमेशा ग्लो करती रहे।

अगर आपके साथ कुछ बुरा होता है या फिर आपके लुक को लेकर आपका कोई करीबी नकारात्मक कमेंट करता है तो उससे अपना मूड खराब करने की बजाय आप उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगी, बल्कि अब से आप अपने दिमाग में इस बात को रखेंगी कि दूसरों को भले आप पसंद न आएं, पर आप अपने को पसंद करती हैं और करती रहेंगी।

अपने शरीर को पसंद और नापसंद करना आपके हाथों में हैं। वर्तमान में आपकी बॉडी किसी भी शेप में हो, अब से आप उस पर फख्र करेंगी। यह अलग बात है कि अगर आपका वजन कुछ ज्यादा है तो उसे कम करने की कोशिश करेंगी, पर अपने शरीर को लेकर सकारात्मक सोच को खत्म बिल्कुल नहीं करेंगी और उसे अच्छा ही मानेंगी।

आप हमेशा यह मानेंगी कि आप दिल, दिमाग और शरीर तीनों से बेहद खूबसूरत हैं। भले ही आपके बारे में कोई कुछ भी कहे, आप उसकी बात का बुरा नहीं मानेंगी। अगर आप ऐसा सोचेंगी तो सच मानिए, आप गॉर्जियस दिखेंगी।

एक प्यारी मुस्कुराहट लोगों का ध्यान हमेशा आकर्षित करती है और चेहरे पर भी नूर लाती है। इसलिए अब से चेहरे पर हमेशा तनाव लाने की बजाय मुस्कुराहट बनाए रखेंगी। एक प्यारी मुस्कुराहट आपके चेहरे पर चार चांद लगा देगी।

अगर आपके बाल हेल्दी या फिर त्वचा का टोन अच्छा है तो उस पर नाज करेंगी। अपनी कमी को देकर दुखी नहीं होंगी। बाल सफेद हो रहे हैं, उनमें रूसी है तो उन्हें देख-देखकर चिढ़ेंगी नहीं, इन्हें दूर करने के उपाय खुशी-खुशी करेंगी।

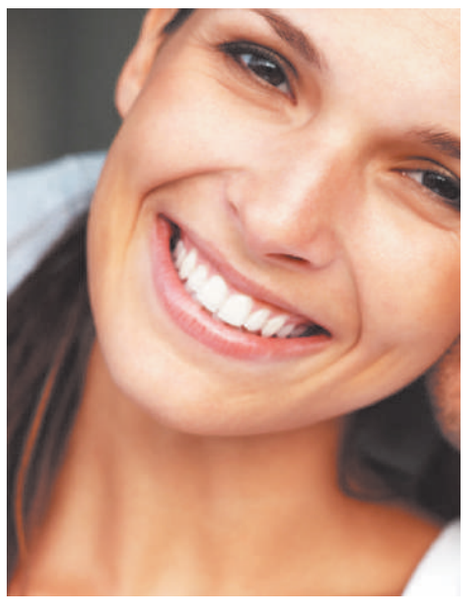

आप संवरिए
लेकिन जरा संभलकर

खास मौकों पर सज-संवरकर चेहरे की सुंदरता बढ़ाना वैसे तो कोई बुरी बात नहीं, लेकिन कई बार रोजाना भारी-भरकम मेकअप करने की आदत और पुराने या कम गुणवत्ता वाले ब्यूटी उत्पाद कुछ देर की सुंदरता और लंबे समय की बीमारी लेकर आते हैं।

ब्लीच

लोग स्किन की टेनिंग कम करने के लिए या चेहरे के बालों को छिपाने के लिए ब्लीच करते हैं, लेकिन इससे कई बार स्किन एलर्जी हो जाती है।

उपाय: ब्लीच को 24 घंटे पहले कान के पीछे लगाकर टेस्ट कर लें, अगर कोई एलर्जी न हो तभी ब्लीच करें। टेनिंग दूर करने के लिए ब्लीच कर रहे हैं तो संतरे, पपीते का पल्प या चंदन पाउडर लगा सकते हैं।

डियो और परफ्यूम

डियोड्रेंट का ज्यादा प्रयोग अंडरआर्म्स की त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। खुजली की समस्या हो, परफ्यूम से छींके आती हों या सांस के रोगी हों तो इनका प्रयोग न करें।

उपाय: डियो या परफ्यूम में कैमिकल्स होते हैं, इन्हें सीधे बॉडी पर न लगाकर कपड़ों पर लगाएं।

आई मेकअप के नुकसान

अगर आप आई मेकअप करने के बाद आंखों में कॉन्टेक्ट लैंस लगाते हैं तो ऐसे में बैक्टीरिया कोर्निया तक पहुंच जाता है जिससे कोर्नियल इंफेक्शन का खतरा रहता है। कई बार मेकअप करने से बैक्टीरिया का मैंब्रेन (झिल्ली) से संपर्क होता है।

नेलपॉलिश

नेलपॉलिश लगाने के बाद हमें नाखूनों की मैल नहीं दिखती जिससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है।

उपाय: नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें और खाना बनाने या खाने से पहले नेलपॉलिश को सुखा लें।

फाउंडेशन और ब्लशर

इनके रोजाना प्रयोग से चेहरे के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं। त्वचा के अंदर जमी गंदगी और तेल बाहर नहीं आ पाते, जिससे छिद्रों में मवाद जमने से कील-मुहांसे होने लगते हैं।

उपाय: ब्यूटी प्रोडक्ट की क्वालिटी का ख्याल रखें। त्वचा ऑयली है तो वॉटर बेस प्रोडक्ट और रूखी है तो ऑयल बेस स्किन प्रोडक्ट का प्रयोग करें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

डीडीसी पुंछ ने वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा की

पुंछ 31 जुलाई। जिला विकास आयुक्त पुंछ विकास कुंडल ने डीसी कार्यालय परिसर में बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से जिले में क्रियान्वित की जा रही वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के कार्यान्वयन और प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

डीडीसी ने अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना सहित प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से संबंधित संतृप्ति स्तर, नामांकन स्थिति, लक्ष्य प्राप्ति और लंबित मामलों का व्यापक मूल्यांकन किया।

उन्होंने विधवा, वृद्धावस्था और विकलांगता पेंशन, राज्य विवाह सहायता योजना जैसी पेंशन योजनाओं और भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिकों के पंजीकरण की प्रगति की भी समीक्षा की। डीडीसी ने अधिकारियों को सभी योजनाओं का अक्षरशः क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए बैंकों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने इन पहलों के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर बल दिया और बैंकों को निर्देश दिया कि वे ज़िले भर में जागरूकता शिविर आयोजित करें ताकि ज़मीनी स्तर तक पहुँच बनाई जा सके। उन्होंने सभी विभागों और वित्तीय संस्थानों से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों, विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमज़ोर और हाशिए पर पड़े समुदायों को इन योजनाओं के दायरे में लाने के लिए अपने प्रयासों को दोगुना करें। उन्होंने इन कार्यक्रमों के महत्व को न केवल वित्तीय साधन के रूप में, बल्कि असंगठित क्षेत्र को बीमा, पेंशन और आजीविका सहायता प्रदान करने वाले महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा साधनों के रूप में भी रेखांकित किया।

शांतमनु ने श्रीनगर में 'एससीईआरटी ऑन व्हील्स' को हरी झंडी दिखाई

श्रीनगर 31 जुलाई। उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं वित्त आयुक्त शांतमनु ने राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, बेमिना के संभागीय कार्यालय से अभिनव आउटरीच पहल 'एससीईआरटी ऑन व्हील्स' को हरी झंडी दिखाई।

एससीईआरटी के निदेशक, शांतमनु ने राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 2024-25 नामक एक दिवसीय मॉडल प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने एससीईआरटी सभागार में आयोजित सतत भविष्य और स्वास्थ्य के लिए बाजरा विषय पर एक संगोष्ठी की भी अध्यक्षता की।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 52वें आरबीवीपी के तत्वावधान में एससीईआरटी, जम्मू-कश्मीर द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम छात्रों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

कार्यक्रम का मुख्य विषय सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी था, जिसके उप-विषय थे भोजन, स्वास्थ्य और स्वच्छता, परिवहन और संचार, गणितीय मॉडलिंग और कम्प्यूटेशनल सोच, प्रा.तिक खेती, आपदा प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन और संसाधन प्रबंधन आदि।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पाँच वर्ष पूरे होने का जश्न मनाते हुए, एससीईआरटी के कश्मीर संभाग ने जागरूकता बढ़ाने, सामुदायिक जुड़ाव बढ़ाने और एससीईआरटी की क्षेत्रीय पहचान को सु.ढ़ करने के उद्देश्य से एक जमीनी स्तर के जनपहुंच कार्यक्रम के रूप में 'एससीईआरटी ऑन व्हील्स' की शुरुआत की। यह पहल एससीईआरटी की सेवाओं, मिशन और संदेशों को सीधे स्कूलों और समुदायों तक पहुँचाती है, नीतियों को स्पष्ट करती है और प्रथाओं को प्रदर्शित करती है। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए, शांतमनु ने इस तरह की प्रभावशाली और समुदाय-संचालित पहलों को तैयार करने के लिए आयोजकों की हार्दिक सराहना की। उन्होंने छात्रों के साथ बातचीत भी की और विभिन्न जिलों के छात्र प्रतिभागियों द्वारा विकसित कई वैज्ञानिक मॉडलों का निरीक्षण किया।

बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के प्रमुख प्रावधान आज 1 अगस्त 2025 से होंगे लागू

नई दिल्ली,31 जुलाई। कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 अगले महीने 1 अगस्त से लागू होगा। इस अधिनियम का उद्देश्य बैंकिंग क्षेत्र में प्रशासनिक मानकों में सुधार लाना और जमाकर्ताओं व निवेशकों के लिए बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस वर्ष 15 अप्रैल को अधिसूचित इस अधिनियम का उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में ऑडिट क्वालिटी में सुधार लाना और सहकारी बैंकों में निदेशकों (अध्यक्ष और पूर्णकालिक निदेशकों को छोड़कर) का कार्यकाल बढ़ाना है। इस अधिनियम के प्रावधानों का उद्देश्य पर्याप्त ब्याज की सीमा को 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपए करना है, जो 1968 से अपरिवर्तित रही सीमा को संशोधित करता है। इसके अलावा, ये प्रावधान सहकारी बैंकों में निदेशकों के कार्यकाल को 97वें संविधान संशोधन के अनुरूप बनाते हैं, जिसमें अधिकतम कार्यकाल 8 वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष (अध्यक्ष और पूर्णकालिक निदेशक को छोड़कर) कर दिया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को अब बिना दावे वाले शेयरों, ब्याज और बॉन्ड रिडेम्पशन राशि को इंवेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड (आईईपीएफ) में ट्रांसफर करने की अनुमति होगी, जिससे वे कंपनी अधिनियम के तहत कंपनियों द्वारा अपनाई जाने वाली प्रथाओं के अनुरूप हो जाएंगे। ये संशोधन सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वैधानिक लेखा परीक्षकों को पारिश्रमिक प्रदान करने, उच्च-गुणवत्ता वाले लेखा परीक्षा पेशेवरों की नियुक्ति को सुगम बनाने और लेखा परीक्षा मानकों को बेहतर बनाने का अधिकार भी देते हैं। मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि इन प्रावधानों का कार्यान्वयन भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के कानूनी, नियामक और प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हज-2026 अधिकारियों ने आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 7 अगस्त तक बढ़ाई

जम्मू, 31 जुलाई। सभी इच्छुक हज यात्रियों को सूचित किया जाता है कि भारतीय हज समिति ने हज-2026 के लिए हज आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 7 अगस्त, 2025 तक बढ़ा दी है। एक आधिकारिक सूचना के अनुसार, यह सूचित किया गया है कि 7 अगस्त, 2025 को या उससे पहले जारी और कम से कम 31 दिसंबर 2026 तक वैध मशीन-पठनीय वैध भारतीय अंतर्राष्ट्रीय पासपोर्ट रखने वाले आवेदक हज 2026 के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। इस बीच, हज के इच्छुक लोग केवल भारतीय हज समिति की वेबसाइट (222.hajcommittee.gov.in) या गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध एंड्रॉइड मोबाइल ऐप हज सुविधा पर ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं। हज आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने से पहले, तीर्थयात्रियों से अनुरोध है कि वे हज समिति की वेबसाइट 222.hajcommittee.gov.in पर उपलब्ध हज नीति/दिशानिर्देशों को अवश्य पढ़ लें।

भारतीय नौसेना प्रमुख ने जापान के रक्षा मंत्री से की मुलाकात

टोक्यो,31 जुलाई। भारतीय नौसेना प्रमुख (सीएनएस) एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने गुरुवार को जापान के रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी से द्विपक्षीय बैठक की और रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की। जापान की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान एडमिरल त्रिपाठी ने उभरते सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता को फिर से पुष्टि की। भारतीय नौसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया, एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी (सीएनएस) ने जापान यात्रा के दौरान जापानी रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी से मुलाकात की। बातचीत में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग, तकनीकी और रक्षा उद्योग साझेदारी तथा प्रशिक्षण और कार्मिक आदान-प्रदान को सुदृढ़ करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। पोस्ट में आगे कहा गया, यह संवाद उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने और द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अहमदाबाद में यात्रा एवं पर्यटन मेले का उद्घाटन किया

गांधीनगर (गुजरात) 31 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने देश भर के यात्रियों को जम्मू-कश्मीर की अद्वितीय सुंदरता, समृद्ध संस्.ति और गर्मजोशी भरे आतिथ्य का आनंद लेने के लिए हार्दिक निमंत्रण दिया।

उन्होंने यह बात गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर सम्मेलन एवं प्रदर्शनी केंद्र में यात्रा एवं पर्यटन मेले के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए की। जम्मू-कश्मीर की अपार पर्यटन संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह क्षेत्र साल भर यात्रियों को विविध अनुभव प्रदान करता रहता है। उन्होंने गुजरात और जम्मू-कश्मीर के बीच बढ़ते पर्यटन आदान-प्रदान पर ज़ोर दिया और जम्मू-कश्मीर को एक जीवंत, सभी मौसमों में उपलब्ध पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। मुख्यमंत्री के साथ उनके सलाहकार नासिर असलम वानी, पहलगाम विधायक अल्ताफ अहमद वानी और गुलमर्ग विधायक फारूक अहमद शाह भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में गुजरात सरकार के पर्यटन मंत्री मुलुभाई बेरा भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे, जिनमें मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता और जम्मू-कश्मीर पर्यटन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. आशीष चंद्र वर्मा शामिल थे। गुजरात सरकार के अधिकारी, राजेंद्र कुमार, पर्यटन सचिव, गुजरात सरकार, प्रभाव जोशी, पर्यटन आयुक्त और गुजरात पर्यटन निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक भी उपस्थित थे। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने यात्रा और पर्यटन उद्योग के विभिन्न प्रदर्शकों के साथ बातचीत की। उन्होंने प्रदर्शनी हॉल का दौरा कर प्रतिनिधियों और व्यवसायों से बातचीत की, जो अपनी पेशकश प्रदर्शित कर रहे थे। यात्रा और पर्यटन मेले के लिए गुजरात की अपनी यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कल गांधीनगर में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से भी मुलाकात की। बैठक में अंतर-राज्यीय सहयोग को मजबूत करने, पर्यटन को बढ़ावा देने और समावेशी विकास के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान पर ध्यान केंद्रित किया गया। यात्रा और पर्यटन मेला, अहमदाबाद, गुजरात का सबसे बड़ा यात्रा व्यापार मेला है, जिसमें 900 से अधिक प्रदर्शक, जम्मू-कश्मीर के 70 से अधिक यात्रा और पर्यटन हितधारक, और श्रीलंका से अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व शामिल होगा।

उपायुक्त जम्मू ने रक्षा भूमि अधिग्रहण मामलों की समीक्षा की

जम्मू 31 जुलाई। उपायुक्त जम्मू सचिन कुमार वैश्य ने जिले में रक्षा आवश्यकताओं से संबंधित लंबित और चल रहे भूमि अधिग्रहण मामलों की स्थिति की समीक्षा हेतु एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जिले के सभी उप-विभागीय मजिस्ट्रेट, जम्मू और उधमपुर के रक्षा संपदा अधिकारियों के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक के दौरान, उपायुक्त ने भूमि अधिग्रहण से जुड़े सभी मुद्दों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया और संबंधित अधिकारियों को निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार मामलों के निपटान में तेजी लाने के निर्देश दिए।

जम्मू हवाई अड्डे के पास पक्षियों के खतरे को रोकने के लिए जिलाधिकारी ने निषेधाज्ञा जारी

जम्मू, 31 जुलाई। विमान संचालन और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, जम्मू के ज़िला मजिस्ट्रेट सचिन कुमार वैश्य ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जम्मू हवाई अड्डे के आसपास कचरा निपटान को विनियमित करने हेतु एक निषेधाज्ञा जारी की है। यह आदेश भारतीय वायु सेना के अधिकारियों द्वारा उठाई गई चिंताओं और भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण द्वारा हवाई अड्डे के पास अंधाधुंध कचरा और खाद्य अपशिष्ट फेंकने के संबंध में पुष्टि के बाद जारी किया गया है। इस अनियमित कचरा निपटान के कारण क्षेत्र में पक्षियों की गतिविधि बढ़ गई है, जिससे सैन्य और नागरिक दोनों विमानों से पक्षियों के टकराने की घटनाओं का खतरा काफी बढ़ गया है। इस खतरे से निपटने की महत्वपूर्ण आवश्यकता को समझते हुए, ज़िला मजिस्ट्रेट ने जम्मू हवाई अड्डे के एक किलोमीटर के दायरे में, जिसमें बेलीचराना, सतवारी, मीरां साहिब और पल्लायें मंडाल जैसे क्षेत्र शामिल हैं, कचरा, अपशिष्ट पदार्थ और खाद्य अपशिष्ट फेंकने पर प्रतिबंध लगा दिया है। आसपास के सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, भोजनालयों, विक्रेताओं और आवासीय कॉलोनियों को कचरे का सुरक्षित और वैज्ञानिक निपटान सुनिश्चित करने और खाने के अवशेष या कूड़ा खुले में न छोड़ने का निर्देश दिया गया है।

सतीश शर्मा ने 'संपूर्णता सम्मान समारोह' की अध्यक्षता की

बांदीपोरा 31 जुलाई। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, परिवहन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, युवा सेवा एवं खेल, तथा .षि एवं प्रशिक्षण मंत्री सतीश शर्मा ने संपूर्णता सम्मान समारोह की अध्यक्षता की और बांदीपोरा के निशात पार्क में सप्ताह भर चलने वाले आकांक्षा हाट का उद्घाटन किया।

यह कार्यक्रम नीति आयोग के आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत 1 जुलाई, 2024 को शुरू किए गए संपूर्णता अभियान के तहत छह प्रमुख संकेतकों की सफल संतृप्ति के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।

पूर्ण संतृप्ति प्राप्त करने वाले छह संकेतकों में प्रसवपूर्व देखभाल कवरेज, संस्थागत प्रसव, बच्चों का पूर्ण टीकाकरण, कम वजन वाले बच्चों में कमी (पोषण), बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता (सीखने के परिणाम) और घरेलू नल जल कनेक्शन (हर घर जल) शामिल थे।

संपूर्णता सम्मान समारोह उन विभागों, अधिकारियों, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं और हितधारकों को सम्मानित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है जिन्होंने इस उपलब्धि को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह पहल दूरस्थ और आकांक्षी क्षेत्रों में समावेशी और मापनीय विकास की दिशा में एक मजबूत सहयोगात्मक प्रयास को दर्शाती है। इस अवसर पर बताया गया कि बांदीपोरा जिले, विशेष रूप से तुलैल और अरिन जैसे ब्लॉकों ने आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत उल्लेखनीय प्रगति की है। स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, जल आपूर्ति, .षि और बुनियादी ढाँचे में उत्.ष्ट उपलब्धियों के लिए ज़िले को हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान मिला और उसे 1 करोड़ रुपये का प्रदर्शन प्रोत्साहन मिला। इस कार्यक्रम में ज़िला विकास परिषद के अध्यक्ष अब गनी भट्ट, बांदीपोरा के विधायक निज़ाम उद्दीन भट, गुरेज के विधायक नज़ीर अहमद खान गुरेजी, बांदीपोरा के उपायुक्त मंजूर अहमद कादरी, डीडीसी की उपाध्यक्ष कौसर शफ़ीक, सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी और सामुदायिक हितधारकों सहित कई प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री ने घोरडी में शिक्षकों के शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात की

कठिन समय में सरकार की सहायता का आश्वासन

उधमपुर, 31 जुलाई। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने उधमपुर जिले के घोरडी ब्लॉक का दौरा किया और सनासर के पास जलेबी मोड़ पर हुई एक दुखद घटना में जान गंवाने वाले दो सरकारी स्कूल शिक्षकों के शोकाकुल परिवारों से मुलाकात की।

प्राथमिक विद्यालय पटियार में कार्यरत जगदेव सिंह और बटोता जोन घोरडी के प्राथमिक विद्यालय एससी मोहल्ला में कार्यरत संजय कुमार, दोनों ही घोरडी ब्लॉक के निवासी थे और कल एक दुखद दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई।

उपमुख्यमंत्री ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्माओं की शांति और परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

अपने शोक संदेश में, सुरिंदर चौधरी ने अपनी संवेदना व्यक्त की और परिवारों को आश्वस्त किया कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार इस कठिन समय में हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

Union Territory of Jammu & Kashmir
Office of the Executive Engineer Jal Shakti Mech. Division North Jammu
e-mail: xennorth@gmail.com
NOTICE INVITING TENDER
e-NIT No. 23 of 2025-26

For and on behalf of Commissioner, Municipal Corporation, Jammu, Executive Engineer, Jal Shakti Mech. Division North Jammu, invites tenders by e-tendering mode from the reputed/registered firms/Sole Prop. for the below mentioned work:-

S. No.	Name of work	Estimated cost (in ?)	Cost of document/ tender fee (in ?)	Earnest money (in ?)	Validity of Rates	Bid validity
1.	Replacement of HC pumping unit by way of providing, installation, testing and commissioning of 50,000 GPH x 122 mtrs. Head HC pumpset and allied electromechanical works at CPS R-22 under JMC Capex Budget.	30,00,000/-	500/-	90,000/- in the shape of CDR / FDR	180 days	180 days

Position of AAA: Accorded
Position of TS: Sanctioned
Date of Publishing : 30-07-2025 (02.00 pm).
1. Bid documents can be seen at and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 30-07-2025 (02.00 pm).
2. The Bids shall be deposited in electronic format on the website http://jktenders.gov.in from 05-08-2025 (02.00 pm) to 18-08-2025 (02.00 pm).
3. The complete bidding process will be online http://jktenders.gov.in. A pre-bid meeting shall be held in the office of Executive Engineer, Jal Shakti Mech. Division North Jammu on 02-08-2025 (1:00 pm) for any clarification and other information required by the bidders who intend to participate in the tender.
4. The Technical bids received shall be opened online on 19-08-2025 (02.00 pm) or any other subsequent date in the office of Executive Engineer Jal Shakti PHE Mech. Division North Jammu.
5. The Financial bid of the bidders shall be opened online after scrutinizing the technical bid in the office of the Executive Engineer Jal Shakti Mech. Division North Jammu in presence of the bidders who wish to attend. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids will be opened on the next working day at the same time and venue.

No. JSMDNJ/1978-80
Dated: 29-07-2025

DIP/J-4124/25
Dtd: 31-7-2025

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti Mech. Division North Jammu

सकीना इत्तू और जाविद डार ने जीएमसी हंदवाड़ा का दौरा किया, सड़क दुर्घटना पीड़ितों का हालचाल जाना

कुपवाड़ा 31 जुलाई। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण एवं शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने .षि उत्पादन, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, सहकारिता एवं चुनाव मंत्री जाविद अहमद डार के साथ बेहनीपोरा हंदवाड़ा में हुई सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों का हालचाल जानने के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज हंदवाड़ा का दौरा किया।

इस दौरान, मंत्रियों ने घायलों और उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने घायलों के परिजनों से मुलाकात की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए उन्हें सर्वोत्तम संभव चिकित्सा सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण देखभाल प्रदान करने का निर्देश दिया।

बाद में, मंत्रियों ने इस दुखद सड़क दुर्घटना में मारे गए सरकारी शिक्षक इरशाद अहमद लोन के परिवार से मुलाकात की।

मंत्रियों ने दिवंगत शिक्षक के परिजनों से मुलाकात की और शोकाकुल परिवार को सांत्वना प्रदान की। उन्होंने उनके निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने उन्हें सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

मृतक सरकारी शिक्षक के परिवार से मिले, संवेदना व्यक्त की

संपादकीय

दिव्यांग जेल कैदियों के लिए न्याय

जम्मू और कश्मीर सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश की जेलों में सजा काट रहे दिव्यांग कैदियों को न्याय दिलाने की दिशा में जेल नियमावली, 2022 में संशोधन करके एक सही कदम उठाया है। बताया जा रहा है कि गृह विभाग द्वारा इस संबंध में जारी अधिसूचना में अध्याय XVII के अंतर्गत दिव्यांग कैदियों के अधिकार और सुविधाएँ नामक एक नया खंड जोड़ा गया है, जिसमें कैदियों का कल्याण शीर्षक भी शामिल है, जिससे भेदभाव का अंत सुनिश्चित होगा, जेल के बुनियादी ढाँचे तक निर्बाध पहुँच, उचित स्वास्थ्य सेवा और पुनर्वास, प्रवेश के दौरान उचित जाँच और दिव्यांग कैदियों की ज़रूरतों को बिना किसी खामी के पूरा करने के लिए जेल कर्मचारियों का नियमित प्रशिक्षण सुनिश्चित होगा। यह कदम निश्चित रूप से केंद्र शासित प्रदेश की जेलों में सभी दिव्यांग कैदियों के लिए सम्मान, समानता और उचित देखभाल को बढ़ावा देगा। नए खंड के तहत, किसी भी कैदी के साथ विकलांगता के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा क्योंकि सभी दिव्यांग कैदी दूसरों के समान समानता, सम्मान और अपनी ईमानदारी के सम्मान के हकदार होंगे। इस खंड में यह भी सुनिश्चित करने का प्रावधान है कि कोठरियों, शौचालयों, चिकित्सा इकाइयों, शैक्षिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों, और शिकायत निवारण प्रणालियों सहित संपूर्ण जेल अवसंरचना को गृह मंत्रालय द्वारा अधिसूचित सुगम्यता मानकों और दिशानिर्देशों के तहत निर्दिष्ट मानकों के अनुसार सुलभ बनाया जाए। विशेष रूप से सक्षम कैदियों को न्याय दिलाने के इस उचित कदम में, गृह विभाग ने उपरोक्त खंड में मनोरोग और मनोवैज्ञानिक सेवाओं सहित पर्याप्त स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के साथ-साथ पुनर्वास कार्यक्रमों और उपचारों तक पहुँच प्रदान करने का भी प्रावधान किया है, जिससे विशेष रूप से सक्षम जेल कैदियों के पक्ष में परिदृश्य पूरी तरह बदल जाएगा। शारीरिक रूप से अक्षम कैदियों की प्रवेश के समय विकलांगता की जाँच भी की जाएगी, और जेलों में उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को दर्शाने के लिए प्रासंगिक जेल रिकॉर्ड रखे जाएँगे ताकि उपयुक्त आवास और सहायता सुनिश्चित की जा सके, साथ ही जेल कर्मचारियों को इन कैदियों के अधिकारों, आवश्यकताओं और उचित व्यवहार के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा सके। कुल मिलाकर, जेल नियमावली के नए प्रावधान जेल व्यवस्था के भीतर न्याय, सम्मान और समानता की एक मजबूत नींव रखेंगे। जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन के बाद यह पहल न केवल समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाएगी, बल्कि जेलों में अधिक दयालु और जिम्मेदार सुधारात्मक वातावरण की संभावनाएं भी पैदा करेगी, जो समय की मांग थी।

अमेरिका के टैरिफ अटैक से प्रभावित होंगे भारतीय निर्यात

भारत सरकार के वाणिय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि, द्विपक्षीय व्यापार पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो बयान दिया है सरकार उसके असर का स्टडी कर रही है। भारत और अमेरिका निष्पक्ष संतुलित परस्पर लाभप्रद व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे है। सरकार राष्ट्रीय हितो की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी।

लीजिए, अंततोगत्वा अमेरिका ने भारत पर अपना टैरिफ बम फोड़ ही दिया। लेकिन अब भारत क्या जवाबी कार्रवाई करता है, इसपर दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। उल्लेखनीय है कि गत बुद्धवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारतीय चीजों पर 25त्न जवाबी टैरिफ लगाने का पुनः ऐलान किया। हालांकि, चतुराई पूर्वक ट्रंप ने भारत को दोस्त बताते हुए निज सोशल मीडिया साइट सोशल ट्रूथ पर किये गए अपने पोस्ट में लिखा है कि यह टैरिफ 1 अगस्त से लागू होगा।

वहीं, अभी तक यह भी साफ नहीं हुआ है कि ट्रंप का यह टैरिफ पहले से लागू 10त्न शुल्क के अतिरिक्त होगा या उसमें ही समाहित होगा। इसके अलावा, भारत की रूसी मित्रता के लिए जो अमेरिकी जुर्माना लगेगा, वह कितना होगा। बता दें कि ट्रंप ने इससे पहले गत 2 अप्रैल को भारत सहित कई देशों पर 10% टैरिफ लगाया था, जिसे पहले 90 दिनों तक और फिर बाद में 1 अगस्त तक टाल दिया था।

वहीं, इस बार ट्रंप ने यह ऐलान भी किया कि भारत रूस से हथियार और तेल खरीद रहा है, इसलिए उस पर जुर्माना भी लगाएंगे। हालांकि यह जुर्माना कितना होगा, उन्होंने यह अभी साफ नहीं किया। बता दें कि ट्रंप ने टैरिफ का ऐलान ऐसे समय किया है, जब कारोबारी समझौते पर बातचीत के लिए अमेरिकी दल 25 अगस्त को भारत आने वाला है। इसलिए जानकार ट्रंप के इस ऐलान को भारत पर दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देख रहे हैं। लेकिन भारत क्या अमेरिका के टैरिफ के समक्ष घुटने टेक देगा, यह यक्ष प्रश्न बना हुआ है।

भारत को सटीक जवाब देने की जरूरतट्रंप के मुताबिक, भारत और अमेरिका दोस्त हैं, लेकिन उसके साथ बहुत कम ट्रेड हो रहा है, क्योंकि उसने बहुत ऊंचे टैरिफ लगा रखे है। भारत की गैर-आर्थिक कारोबारी बाधाएं दुनिया में सबसे कठोर है। यही नहीं, जब पूरी दुनिया रूस को यूक्रेन में नरसंहार रोकने के लिए कह रही थी, भारत ने तब भी उससे बड़ी मात्रा में हथियार और तेल खरीदा। इसके अलावा चीन के साथ वह सबसे बड़े खरीदार हैं। हालांकि, ट्रंफ यह भूल गए कि भारत रूस से बार बार यह भी कहता रहा है कि यह युद्ध नहीं, बुद्ध का समय है।

इसलिए भारत पर थोपे गए इस अमेरिकी टैरिफ के खास मायने हैं, जिसे समझे जाने की जरूरत है। आपको पता होना चाहिए कि भारत से सबसे अधिक निर्यात अमेरिका को ही होता है। गत जून तक में यूएसए को 829.8 करोड़ डॉलर का निर्यात हुआ था। जबकि साल 2025 में करीब 91 नए टैरिफ दर से इस निर्यात पर बड़ा असर पड़ेगा। इससे भारत के ऑटोमोबाइल्स, टेक्सटाइल्स, लेदर, जेम्स ऐंड जूलरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, एग्रो फार्मा सेक्टरों की चीजें अमेरिका में महंगी होगी।

हालांकि, बांग्लादेश पर 35त्न, थाइलैंड पर 36त्न, कंबोडिया पर 36त्न, जैसे प्रतिद्वंद्वी देशों पर यादा टैरिफ से कम आंच आएगी। वहीं, जहां तक शेयर बाजार में असर का सवाल है तो चुनौती वाले सेक्टरों से जुड़ी कंपनियों के शेयरों पर असर दिख सकता है। हालांकि इस जवाबी टैरिफ की आशंका पहले से थी। इसलिए कुछ उतार-चढ़ाव के बाद यह स्टेबल हो सकता है, क्योंकि भारतीय इकॉनमी मजबूत स्थिति में है।

इसलिए, भारत सरकार के वाणिय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि, द्विपक्षीय व्यापार पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो बयान दिया है सरकार उसके असर का स्टडी कर रही है। भारत और अमेरिका निष्पक्ष संतुलित परस्पर लाभप्रद व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे है। सरकार राष्ट्रीय हितो की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी।

वहीं, जानकारों का मानना है कि ट्रंप के ऐलान के बाद भी टैरिफ घटने का चांस है, क्योंकि साल 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 बिलियन डॉलर तक ले जाने के लिए दोनों देशों के बीच बातचीत हो रही है। हालांकि, इस बातचीत के बीच में ही अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत पर 25त्न रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का जो ऐलान किया है, उससे निर्यात पर काफी बड़ा असर पड़ेगा। इसलिए उद्योग संगठनों ने यह चिंता जताई है।

उल्लेखनीय है कि व्यापार समझौते पर बातचीत के छठे दौर के लिए अमेरिकी अधिकारियों का दल 25 अगस्त को भारत आने वाला है। जबकि कॉमर्स मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने कहा, ट्रंप ने जो कुछ कहा है, उसमें पेनाल्टी सहित कुछ चीजें साफ नहीं है। इसलिए द्विपक्षीय समझौते पर बातचीत जारी रहेगी। इस बीच मिनी ट्रेड डील का प्रयास भी हो रहा है। यह डील होने पर इसकी शर्तों के मुताबिक टैरिफ लगेगा। इसकी संभावना बनी हुई है।

वहीं, निर्यातकों के संगठन एफआईईओ के डायरेक्टर जनरल डॉ.अजय सहाय ने कहा है कि, ट्रंप के कदम से अनिश्चितता बढ़ गई है। कितनी पेनाल्टी लगेगी, यह साफ होने तक भारतीय निर्यातक और अमेरिकी आयातक न तो लैंडेड कॉस्ट का अंदाजा लगा पाएंगे, न ही यह आकलन कर पाएंगे कि टैरिफ के बोझ से किस तरह निपटा जाएगा। इस अनिश्चितता से सप्लई चेन प्लानिंग और प्राइसिंग की रणनीति प्रभावित होगी।

वहीं, फिक्की के प्रेसिडेंट हर्षवर्द्धन अग्रवाल ने ट्रंप के बयान पर निराशा जताते हुए कहा है कि, इस दुर्भाग्यपूर्ण कदम का हमारे एक्सपोर्ट्स पर साफ तौर पर असर पड़ेगा। उम्मीद है कि यादा टैरिफ का दौर छोटा ही रहेगा और दोनों पक्षों के बीच एक स्थायी व्यापार समझौता जल्द हो जाएगा। वहीं, पीएचडीसीसीआई (क्काष्ष्ष्द्ब) के प्रेसिडेंट हेमंत जैन ने कहा है कि, समय आ गया है कि इंडियन इंडस्ट्री क्वॉलिटी और कॉम्पिटीटिवनेस के साथ खड़ी हो। चीन और वियतनाम पर इसी तरह के टैरिफ लगने के साथ भारत को लॉन्ग टर्म ट्रस्ट, विविधता से भरे मार्केट शेयर और भरोसेमंद ग्लोबल पार्टनर के रूप में मजबूत पोजिशनिंग से फायदा होगा।

सवाल है कि आखिर अमेरिकी टैरिफ का किस तरह का असर दिखेगा? तो जवाब होगा कि रत्न एवं आभूषण, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, कपड़ा और दवा उद्योगों का मामला यादा अहम है। क्योंकि अमेरिका को कुल निर्यात में इनका हिस्सा 40त्न से यादा है। वर्ष 2024 में भारत से 21.5 बिलियन डॉलर की इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल मशीनरी, 12.7 बिलियन डॉलर की दवाएं,12 बिलियन डॉलर से यादा के रत्न-आभूषण और 8 बिलियन डॉलर के रेडीमेड गारमेंट्स सहित टेक्सटाइल्स अमेरिका भेजे गए।

हालांकि भारत अकेला नहीं है जिस पर नया रेसिप्रोकल यानी जवाबी टैरिफ ठोका गया है, बल्कि लगभग 90 देशों पर अमेरिका ने जवाबी टैरिफ लगाया है। इसमें बांग्लादेश पर 35त्न, थाईलैंड पर 36%, कंबोडिया पर 36% और इंडोनेशिया पर 32त्न का टैरिफ लगाया गया है। इसलिए भारत के लिए सब्र की बात यह है कि उसके जैसे अन्य मुख्य कारोबारी प्रतिद्वंद्वी देशों पर यादा टैरिफ लगा हुआ है, जिसको देखते हुए तुलनात्मक रूप से भारत पर कुछ मामलों में कम आंच आएगी। इससे कुछ रणनीतिक बातें भी अब साफ होने में मदद मिलेगी।

ऐसा इसलिए कि वैश्विक दुनियादारी में यह आम अवधारणा है कि ऐसा कोई सगा नहीं, जिसको अमेरिका ने ठगा नहीं। इसके अलावा, अमेरिका से दोस्ती को खल से प्रीति करार दिया जाता है। तभी तो कभी चीन के खिलाफ भारत को अपना मजबूत हिन्द महासागर सहयोगी बताने वाला अमेरिका अब भारत के पीछे हाथ धोकर पड़ा है। कभी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना दोस्त बताने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब दुश्मनी के हर कोने को खंगाल लेना चाहते हैं, ताकि वैश्विक आर्थिक और सैन्य रेस में तेजी से फर्राटे भर रहे भारत को पछाड़ा जा सके।

हैरतअंगेज तो यह है कि इसके लिए अमेरिका ने गद्दार पाकिस्तान और महत्वाकांक्षी चीन की हर शर्तें स्वीकार कर लीं, ताकि रूस का सहयोग करके अमेरिकी-यूरोपीय अरमानों को कुचलने वाले भारत को काबू में किया जा सके। अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिज्ञ बताते हैं कि रूस के सदाबहार सहयोगी चीन से अब अमेरिका को उतना खतरा नहीं है, जितना कि ग्लोबल साउथ के पैरोकार भारत की मौजूदा और भविष्य की योजनाओं से है।

समझा जाता है कि जैसे कभी रूस के खिलाफ चीन को सहयोग करने वाला अमेरिका चीनी मनमानी से परेशान होकर भारत को मदद करने लगा, फिर भारत की मनमानी से परेशान होकर पाकिस्तान को मदद करने लगा, फिर पाकिस्तान की मनमानी को काबू में रखने के लिए बंगलादेश की मदद करने लगा, उसके भारतीय उपमहाद्वीप में रणनीतिक मायने हैं। ठीक उसी प्रकार से जैसे अरब देशों में इजरायल की मदद के रणनीतिक मकसद हैं, रूस के खिलाफ यूक्रेन की मदद करने के रणनीतिक फायदे हैं, चीन के खिलाफ ताइवान को सहयोग देने के रणनीतिकार लाभ हैं।

चूंकि यह सभी कार्य अमेरिकी प्रशासन अपने हथियार लॉबी की योजनाओं के मुताबिक करता है, इसलिए उसे इन खुराफातों के लिए कभी धन की कमी नहीं पड़ती। जबकि उसकी इन हरामखोर नीतियों से प्रभावित देश आपसी प्रतिरोपित लड़ाई-झगड़े में बर्बाद होते रहते हैं। इससे वे अमेरिकी डॉलर मदद और हथियार सप्लाई रैकेट के सहज शिकार हो जाते हैं। भारत इसे बखूबी समझता है। इसलिए कभी भारत विरोधी रहे अमेरिका के साथ नई दोस्ती के कदम बढ़ाने के साथ-साथ भारत ने फूंक फूंक कर हर निर्णय लिए, ताकि उसकी गुटनिरपेक्षता की नीति प्रभावित नहीं हो।

चूंकि भारत ने रूस के साथ दोस्ती नहीं छोड़ी, चीन के साथ नियंत्रित पंगा लिया, अमेरिका व यूरोप के बीच कारोबारी दूरी बढ़ाने के लिए अमेरिका के बजाय फ्रांस, जर्मनी, इंग्लैंड, इटली व यूरोपीय संघ को तवजो दिया, अरब देशों में इजरायल, सऊदी अरब, ईरान, अफगानिस्तान आदि देशों को प्रमुखता दी, अफ्रीकी व दक्षिण अमेरिकी देशों से प्रगाढ़ सम्बन्ध बनाए, जापान, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया से अपने हितों के अनुरूप दोस्ती गांठे। जो अमेरिका-चीन को नागवार गुजरी।

इतना ही नहीं, भारत ने जी-7 और ब्रिक्स देशों की बैठकों में ग्लोबल साउथ के मुद्दों को जितनी प्रमुखता से उठाया, उससे विकसित देशों के कान खड़े हो गए। भारत ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया को नेतृत्व दिया। इससे पूरी दुनिया में भारत की धाक जमने लगी। इस दौरान भारत ने आशातीत आर्थिक और सैन्य प्रगति की। डिजिटल दुनिया के देशों का नया बादशाह बनने लगा यही वजह है कि अमेरिका, भारत से चिढ़ने लगा।

यही नहीं, अमेरिका द्वारा प्रोत्साहित पाकिस्तान द्वारा पहलगाम आतंकी हमला करवाने और फिर भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के बुरी तरह से पिट जाने से जहां अमेरिका-चीन की भारत विरोधी रणनीति की हवा निकल गई, वहीं भारत की प्रतिरक्षात्मक सैन्य तैयारियों और अचूक मारक हमलों से उसकी अंतरराष्ट्रीय साख बढ़ गई। इस दौरान अपनाई गई अमेरिका की दोगली भूमिका की पोल पट्टी भी भारत के समक्ष खुल गई। जिससे दोनों देशों के बीच विकसित हो रहे नवविश्वास को गहरा धक्का लगा।

यही वजह है कि अमेरिका ने भारत पर नया टैरिफ लगाया है, ताकि आशातीत भारतीय विकास को अवरुद्ध किया जा सके। यदि ऐसा होगा तो रूस-चीन को भी धक्का लगेगा, क्योंकि दोनों देशों को भारत से बहुत लाभ हो रहा है। रूसी प्रभाव में भारत चीन के प्रति भी नरम रुख रखे हुए है।

– कमलेश पांडेय

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वायु प्रदूषण से स्मृति-लोप का बढ़ता खतरा

पर्यावरण की उपेक्षा एवं बढ़ता वायु प्रदूषण मनुष्य स्वास्थ्य के लिये न केवल घातक हो रहा है, बल्कि एक बीमार समाज के निर्माण का कारण भी बन रहा है। हाल ही में हुए एक मेटा-अध्ययन ने वायु प्रदूषण और बिगड़ती स्मृति के बीच एक खतरनाक संबंध का खुलासा किया है। हवा में मौजूद विषैले कण-खासकर महीन धूल और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें, जो मुख्य रूप से वाहनों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से निकलती हैं, हमारे मस्तिष्क को सीधे प्रभावित कर रही हैं। यह व्यापक शोध लगभग 3 करोड़ व्यक्तियों से जुड़े 51 अध्ययनों पर आधारित है। ये निष्कर्ष भारत जैसे देशों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक हैं, जहाँ वायु प्रदूषण का स्तर दुनिया में सबसे अधिक है। अगर धनी और विकसित देश भी प्रदूषण के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से जूझ रहे हैं, तो भारत लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। वायु प्रदूषण से निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। दुनिया भर में, लगभग 5.74 करोड़ लोग पहले से ही मनोभ्रंश से प्रभावित हैं। वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई न किए जाने पर, यह संख्या 2050 तक तिगुनी होकर 15.28 करोड हो सकती है। मनोभ्रंश अर्थात डिमेंशिया या भूलने की बीमारी का दुनिया में बढ़ता खतरा इतना बड़ा है कि आगामी पच्चीस वर्ष में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या तीन गुना हो जाएगी।शोधकर्ताओं ने वायु प्रदूषण में खासकर कार से निकलने वाले धुएं या उत्सर्जन को गंभीर माना है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने वाले लोगों के मस्तिष्क की कार्यक्षमता में एक दशक तक की गिरावट देखी जा सकती है, उदाहरण के लिए, लगातार जहरीली हवा में सांस लेने वाला 50 वर्षीय व्यक्ति 60 वर्षीय व्यक्ति के समान संज्ञानात्मक क्षमता प्रदर्शित कर सकता है। वायु प्रदूषण का सबसे पहला असर फेफड़ों और दिल पर पड़ता है, लेकिन यह वहीं तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद ये छोटे-छोटे कण हमारी सांस के जरिए खून में चले जाते हैं और फिर सीधे दिमाग तक पहुंच जाते हैं। इससे-याद रखने की क्षमता कमजोर होती है। ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है। सीखने और नई बातें याद रखने में दिक्कत होती है। कुछ मामलों में डिप्रेशन यानी अवसाद की संभावना बढ़ जाती है।

द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि पीएम 2.5 सूक्ष्म कण पदार्थ में प्रति घन मीटर 10 माइक्रोग्राम की वृद्धि से स्मृति संबंधी बीमारियों का खतरा 17 प्रतिशत बढ़ जाता है। वाहनों के धुएँ और जलती हुई लकड़ी से निकलने वाले ब्लैक कार्बन में एक माइक्रोग्राम की भी वृद्धि से यह खतरा 13 प्रतिशत बढ़ जाता है। ये सूक्ष्म कण हमारे श्वसन और परिसंचरण तंत्र को दरकिनार कर मस्तिष्क तक पहुँच सकते हैं और सूजन व ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा कर सकते हैं, जिससे अंततः न्यूरॉन्स को नुकसान पहुँचता है। इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। प्रदूषित हवा न केवल फेफड़ों

और हृदय के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि याददाश्त, एकाग्रता, सीखने और भावनात्मक स्थिरता को भी कमज़ोर करती है। अध्ययनों से पता चला है कि उच्च प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे स्वच्छ वातावरण में रहने वालों की तुलना में स्कूल की परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन करते हैं। प्रदूषित हवा के संपर्क में आने वाले वयस्क अक्सर चिड़चिड़ापन, थकान और यहाँ तक कि अवसाद का अनुभव करते हैं। उनकी उत्पादकता और निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

प्रदूषण से प्रेरित स्मृति हानि का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है, यह शैक्षिक परिणामों, कार्यस्थल की दक्षता और सामाजिक निर्णय लेने को भी प्रभावित करता है। आँकड़े दर्शाते हैं कि उच्च-पीएम क्षेत्रों में लोग मौखिक प्रवाह, तर्क, सीखने और स्मृति परीक्षणों में कम अंक प्राप्त करते हैं, जो शिक्षा का एक पूरा वर्ष गँवाने के समान है। एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि कैसे किराने की खरीदारी जैसे नियमित कार्यों में संज्ञानात्मक विकर्षण प्रदूषण के संपर्क में आने से बढ़ जाता है। वृद्ध और कम शिक्षित व्यक्ति विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं, अक्सर रोज़मर्रा के कार्य करने की क्षमता खो देते हैं और दूसरों पर अधिक निर्भर हो जाते हैं।

बढ़ते खतरे के बावजूद, चिकित्सा विज्ञान वर्तमान में मनोभ्रंश का कोई निश्चित इलाज नहीं देता है। मौजूदा उपचार सीमित और अक्सर अप्रभावी होते हैं, जिससे मरीज धीरे-धीरे अपनी याददाश्त और स्वतंत्रता खो देते हैं। अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के डॉ. क्रिस्टियन ब्रेडल इस बात पर ज़ोर देते हैं कि मनोभ्रंश की रोकथाम केवल स्वास्थ्य सेवा की ज़िम्मेदारी नहीं है। शहरी नियोजन, परिवहन नीतियां और पर्यावरणीय नियम, सभी इस संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वायु प्रदूषण न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि सामूहिक सोच, जीवनशैली विकल्पों और पर्यावरणीय निर्णयों को भी विकृत करता है। बड़े पैमाने पर, यह शैक्षिक उपलब्धि में कमी, उत्पादकता में कमी, स्वास्थ्य सेवा के बढ़ते बोझ और गहरी होती आर्थिक असमानताओं में योगदान देता है। वाशिंगटन में 12 लाख लोगों पर किए गए एक अलग अध्ययन से पता चला है कि जंगल की आग के धुएँ के संपर्क में आने से, जो पीएम 2.5 के स्तर को बढ़ाता है, मनोभ्रंश का खतरा 18-21 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा की गई एक और व्यापक समीक्षा (51 अध्ययनों में 2.9 करोड़ लोगों पर) ने पुष्टि की कि पीएम 2.5 के संपर्क में आने से मनोभ्रंश का खतरा 13-17 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। विज्ञान स्पष्ट है कि ये सूक्ष्म कण श्वसन तंत्र और मस्तिष्क में गहराई तक प्रवेश करते हैं, मस्तिष्क के कार्य को बाधित करते हैं और मानसिक गिरावट को तेज़ करते हैं।

हाल ही में चीन में हुए एक शोध में भी पीएम और नाइट्रोजन ऑक्साइड के संपर्क को मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोगों में संज्ञानात्मक क्षमता में कमी, विशेष रूप से कार्यशील स्मृति में कमी से जोड़ा गया है। यह एक बढ़ता हुआ संकट है जिसके प्रभाव न केवल व्यक्तियों पर बल्कि पूरे समाज पर पड़ रहे हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि वायु प्रदूषण अब केवल खांसी या सांस की बीमारी तक सीमित नहीं है, यह चुपचाप हमारी स्मृति, संज्ञानात्मक कार्यों और मानसिक स्वास्थ्य पर हमला कर रहा है। लोग मानसिक थकान, अवसाद या चिड़चिड़ापन महसूस कर सकते हैं। सामूहिक स्तर पर, शिक्षा और उत्पादकता में गिरावट, स्वास्थ्य पर बढ़ता बोझ और आर्थिक असमानता बढ़ती है। अगर तत्काल और निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और बिगड़ेगी। वायु प्रदूषण शरीर में हानिकारक रासायनिक प्रतिक्रियाओं को जन्म देता है जो कोशिकाओं, प्रोटीन और डीएनए को नुकसान पहुँचाती हैं, जिससे मनोभ्रंश जैसी तंत्रिका संबंधी बीमारियों का मार्ग प्रशस्त होता है। उत्साहजनक रूप से, शोध बताता है कि वायु प्रदूषण को कम करने से स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक और जलवायु क्षेत्रों में दीर्घकालिक लाभ मिल सकते हैं। इससे मरीजों, परिवारों और देखभाल करने वालों पर बोझ भी कम होगा। अब हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा कि हम न केवल अपने फेफड़ों, बल्कि अपने दिमाग की भी रक्षा के लिए कितनी दूर तक जाने को तैयार हैं?

– ललित गर्ग

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं

भारत को पांचवें टेस्ट में कुलदीप को शामिल करने का तरीका ढूंढना चाहिए : पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज

नई दिल्ली। पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल का मानना है कि भारत को गुरुवार से द ओवल में शुरू हो रहे इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए अपनी गेंदबाजी लाइनअप में कुलदीप यादव को चुनने पर विचार करना चाहिए। इंग्लैंड के इस लंबे दौरे में कुलदीप को अभी तक प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली है, क्योंकि भारत अपनी गेंदबाजी ऑलराउंडर रणनीति पर कायम है। भारत अभी भी पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से पीछे है और सीरीज को 2-2 से बराबर करने के लिए उसे द ओवल में जीत की जरूरत है। पटेल ने जियोहॉटस्टार पर कहा, भारत को चयन के लिए उसी तरह से संपर्क करना चाहिए जैसे उन्होंने अपनी बल्लेबाजी के लिए आत्मविश्वास के साथ किया है। अगर बुमराह उपलब्ध नहीं हैं, तो भारत को एक और आक्रामक गेंदबाज की जरूरत होगी। मौजूदा गेंदबाजी संयोजन में, कुलदीप यादव एक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में आक्रामक धार प्रदान करते हैं ऐसा होगा या नहीं, मुझे यकीन नहीं है - लेकिन मेरी राय है कि कुलदीप यादव को जरूर खेलना चाहिए। ओवल से खबर आ रही है कि जसप्रीत बुमराह कार्यभार प्रबंधन के कारण 5वां टेस्ट नहीं खेल सकते हैं, ऐसे में गेंदबाजी लाइन-अप के अगुआ की भूमिका निभाने की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज पर है। सिराज एकमात्र भारतीय तेज गेंदबाज हैं जिन्होंने सीरीज के सभी चार टेस्ट खेले हैं और 139 ओवर फेंके हैं।

ईस्पोर्ट्स शतरंज विश्व कप 2025: क्वार्टर फाइनल में पहुँचे अर्जुन, फिरौजा,अरोनियन और कार्लसन

रियाद ,सऊदी अरब। ईस्पोर्ट्स वर्ल्ड कप 2025 में पहली बार शामिल शतरंज प्रतियोगिता के ग्रुप चरण पूरे हो चुके हैं और ग्रुप ए से यूएसए के लेवोन अरोनियन (टीम रिजेक्ट), ग्रुप बी से भारत के अर्जुन एरिगैसी (जेन जी ईस्पोर्ट्स), ग्रुप सी से फ्रांस के अलीरेज़ा फिरौजा (टीम फाल्कन्स) और ग्रुप डी से मैगनस कार्लसन (टीम लिक्विड) ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत के अर्जुन एरिगैसी ने पहले हमवतन निहाल सरीन (एस8यूएल) को 2-0 से हराया और फिर फ्रांस के दिग्गज जीएम मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव (टीम विटालिटी) को आर्मागेडन मुकाबले में 2-1 से हराकर नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की की। अब निहाल को क्वार्टर फाइनल में पहुँचने के लिए नीदरलैंड के अनीश गिरी (टीम सीक्रेट) और मैक्सिम के खिलाफ लूज़र ब्रैकेट में जीत हासिल करनी होगी। कंपटीशन का समय नियंत्रण 10 मिनट प्रति खिलाड़ी है, जिसमें कोई इन्क्रिमेंट नहीं है। खिलाड़ियों को शोर-रहित हेडफोन पहनने और अपनी पसंद का संगीत सुनने की अनुमति दी गई है - जो आधुनिक ईस्पोर्ट्स शतरंज के अनुरूप है। कुल पुरस्कार राशि 1.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, जबकि शतरंज खिलाड़ियों को उनकी ईस्पोर्ट्स टीमों के जरिए 27 मिलियन डॉलर के साझा इनाम का भी हिस्सा मिलेगा।

ओवल के क्यूरेटर से गंभीर की झड़प पर आया गिल का बयान, ...तो दिक्कत नहीं होनी चाहिए

लंदन। कप्तान शुभमन गिल ने ओवल के मुख्य क्यूरेटर ली फोर्टिस से तीखी बहस के बाद गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि भारतीय कोच को पिच का मुआयना करने का पूरा अधिकार था। भारत के अभ्यास सत्र के दौरान मंगलवार को फोर्टिस ने भारतीय कोचिंग स्टाफ को मुख्य पिच से ढाई मीटर दूर रहने के लिये कहा जबकि उन्होंने जॉगर्स और रबर स्पाइक वाले जूते पहन रखे थे। गंभीर को यह बोलते सुना गया, 'तुम्हें हम में से किसी को यह बताने की जरूरत नहीं है कि क्या करना है। तुम्हें इसका अधिकार नहीं है। तुम बस एक मैदानकर्मी हो, और कुछ नहीं। गिल से पांचवें और आखिरी टेस्ट से पहले जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'जो कल हुआ, वह गैर जरूरी था। उन्होंने कहा, 'कोच को विकेट देखने का पूरा अधिकार है। समझ में नहीं आया कि क्यूरेटर इसकी अनुमति क्यो नहीं देगा। अगर आपने रबर के स्पाइक्स पहन रखे हैं या नंगे पैर हैं तो दिक्कत नहीं होनी चाहिए। पता नहीं उन्होंने क्यो रोका।

बुमराह की अनुपस्थिति में सीरीज में बराबरी करने उतरेगी टीम इंडिया

लंदन। भारतीय टीम चौथा टेस्ट साहसिक ढंग से ड्रा कराने के बाद नए उत्साह से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट में सीरीज बराबर करने के लक्ष्य के साथ उतरेगी। हालांकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे है। भारत और इंग्लैंड की टीमें जब ओवल के मैदान पर उतरेंगी, तो बहुत कुछ दांव पर होगा। जहां पिछले मैच की ड्रॉ से उत्साहित भारतीय टीम इस मैच को जीतकर सीरीज ड्रॉ कराने के लिए उतरेगी, वहीं इंग्लैंड की टीम इस मुकाबले को अपना बनाकर सीरीज को भी अपना बनाना चाहेगी। लॉर्ड्स और मैनचेस्टर टेस्ट का अंत बहुत नाटकीय ढंग से हुआ था और जिस तरह से ओवल में अभ्यास सत्र की शुरूआत हुई है, उससे इस मैच के भी बेहद ही रोचक होने की संभावना है।

लीग्स कप 2025 : मेसी के दो असिस्ट से इंटर मियामी ने एटलस को 2-1 से हराया

एजेंसी

मियामी गार्डेंस (फ्लोरिडा)। इंटर मियामी के सुपरस्टार लियोनेल मेसी ने दो शानदार असिस्ट करते हुए अपनी टीम को लीग्स कप 2025 के पहले मुकाबले में बुधवार (भारतीय समयानुसार गुरुवार) को एटलस के खिलाफ 2-1 की रोमांचक जीत दिलाई। यह मेसी का पहला मैच था, जब वह और उनके साथी खिलाड़ी जोर्डी अल्बा, एमएलएस ऑल-स्टार गेम में शामिल न होने के कारण लगे एक मैच के निलंबन के बाद मैदान में लौटे। मेसी ने मुकाबले के अंतिम सेकंडों में मार्सेलो वाइगांट को निर्णायक गोल के लिए असिस्ट किया, जिसने इंटर मियामी को जीत दिलाई। मैच का पहला गोल 58वें मिनट में आया, जब मेसी ने टेलास्को सेगोविया को पास देकर स्कोरिंग का खाता खोला।

इसके बाद एटलस के लिए 82वें मिनट में रिवाल्डो लोज़ानो ने बराबरी का गोल किया। हालांकि, 96वें मिनट में वाइगांट ने निर्णायक गोल दागा, जिसे पहले ऑफसाइड करार दिया गया था, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) की पुष्टि के बाद गोल मान्य घोषित किया गया। इस जीत के साथ जुलाई में मेसी के कुल पांच असिस्ट हो गए हैं। उन्होंने इस महीने आठ गोल भी किए, जिसके चलते उन्हें मेजर लीग सॉकर प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया। इस दौरान इंटर मियामी ने एमएलएस में 4 जीत, 1 हार और 1 ड्रॉ दर्ज किया। पहले हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए लेकिन गोल नहीं कर पाए। मियामी के गोलकीपर रोको रियोज़ नोवो ने पहले हाफ में तीन बेहतरीन बचाव किए, जिनमें एक मौके पर उन्होंने एडुआर्डो एग्विर्रे के हेडर को शानदार तरीके से रोका। हाफ के अंतिम क्षणों में लुइस सुआरेज़ का एक शक्तिशाली शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। इस मैच में अर्जेंटीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डि पॉल ने इंटर मियामी के लिए डेब्यू किया। मेसी के राष्ट्रीय टीम साथी डि पॉल ने पिछले सप्ताह ही क्लब के साथ आधिकारिक अनुबंध किया था।

डब्ल्यूसीपीएल के सेमीफाइनल में पाकिस्तान के साथ खेलने से भारत का इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। बर्मिंघम में चल रही वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीपीएल) 2025 में भारत चैंपियंस टीम ने सेमीफाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से साफ इनकार कर दिया है। यह फैसला भारत सरकार के उस रुख के अनुरूप है, जिसमें आतंकवाद के चलते पड़ोसी देश पाकिस्तान के साथ किसी भी द्विपक्षीय खेल संबंध को नकारा गया है। बताया गया है कि हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनज़र भारतीय टीम ने यह कड़ा रुख अपनाया है। टीम में शिखर धवन, इरफान पठान, हरभजन सिंह, युवराज सिंह और सुरेश रैना जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। इससे पहले भी भारत ने टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार किया था। उस समय भी कई पूर्व भारतीय क्रिकेटर पाकिस्तान के खिलाफ मैदान में उतरने को तैयार नहीं हुए थे। टूर्नामेंट के प्रमुख प्रायोजकों में शामिल ट्रैवल-टेक कंपनी इजिमायट्रीप ने भी इस मुद्दे पर भारत का समर्थन किया है। कंपनी के सह-संस्थापक निशांत पिट्टी ने सोशल मीडिया पर लिखा, आतंक और क्रिकेट साथ नहीं चल सकते। भारत की टीम ने जिस तरह प्रदर्शन किया है, हम गर्व महसूस करते हैं, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल केवल एक मैच नहीं है। इजिमायट्रीपइस मुकाबले से खुद को अलग करता है - देश पहले, व्यापार बाद में। भारत चैंपियंस टीम ने मंगलवार को वेस्टइंडीज चैंपियंस को महज 13.2 ओवर में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। अब पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला न खेलने के फैसले ने टूर्नामेंट के भविष्य को लेकर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

बार्सिलोना डिफेंडर जूल्स कौंडे ने क्लब के साथ 2030 तक के लिए किया नया करार

एजेंसी

सियोल। एफसी बार्सिलोना के डिफेंडर जूल्स कौंडे ने पुष्टि की कि उन्होंने क्लब के साथ 2030 तक के लिए एक नया पांच वर्षीय अनुबंध कर लिया है। हालांकि क्लब की ओर से अब तक इस खबर की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन कोरियाई दौरे के दौरान फ्रेंच अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने मीडिया से बात करते हुए यह जानकारी दी। कौंडे ने कहा, अनुबंध से जुड़ी सारी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब यह सिर्फ कुछ दिनों की बात है जब इसे औपचारिक रूप से घोषित किया जाएगा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि वह इस तेज़ी से हुई बातचीत से बहुत खुश हैं। उन्होंने आगे कहा, बार्सिलोना और मेरी सोच एक जैसी रही है। मैं इस टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। यह एक महत्वाकांक्षी क्लब है और हम हर साल खिताब के लिए लड़ सकते हैं। गौरतलब है कि कौंडे ने पिछले सीजन कोपा डेल रे फाइनल में रियल

मैड्रिड के खिलाफ निर्णायक गोल किया था जिससे बार्सिलोना को जीत मिली थी। 26 वर्षीय जूल्स कौंडे ने 2022 में सेविया से बार्सिलोना में कदम रखा था और अब तक क्लब के लिए 141 मैचों में सात गोल कर चुके हैं। शुरुआत में उन्हें सेंटर-बैक के तौर पर साइन किया गया था, लेकिन हाल के सीज़न में उन्होंने राइट-बैक के तौर पर भी खुद को साबित किया है।

कनाडियन ओपन – विंबलडन चैंपियन इगा स्वियातेक ने तीसरे दौर में आसान जीत दर्ज की

एजेंस

मॉन्ट्रियल। विंबलडन चैंपियन इगा स्वियातेक ने नेशनल बैंक ओपन (कनाडियन ओपन) के तीसरे दौर में आसानी से प्रवेश किया। खेले गए मुकाबले में उन्होंने चीन की गुओ हानयू को सीधे सेटों में 6-3, 6-1 से हराया। स्वियातेक का यह मुकाबला विंबलडन फाइनल के बाद पहला था, जिसमें उन्होंने अमांडा अनीसिमोवा को 6-0, 6-0 से हराकर अपना छठा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। इस जीत के साथ उन्होंने लगातार 24 गेम जीतने का सिलसिला भी जारी रखा।

मैच के बाद स्वियातेक ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने आज काफी ठोस खेल दिखाया। हार्ड कोर्ट पर इतने लंबे ब्रेक के बाद खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन मैं खुद पर फोकस कर सकी, परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल सकी और अच्छा प्रदर्शन किया। दूसरी वरीयता प्राप्त पोलिश स्टार अब शुक्रवार को रूस की

अनास्तासिया पावल्युचेनकोवा और जर्मनी की ईवा लिस के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी। अमेरिका की दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन जेसिका पेगुला ने भी तीसरे दौर में जगह बनाई। उन्होंने ग्रीस की मारिया सक्कारी को 7-5, 6-4 से हराया।

छठी वरीयता प्राप्त अमेरिका की मैडिसन कीज़ ने जर्मनी की लॉरा सीगेमंड को 6-2, 6-1 से पराजित किया। वहीं, जापान की पूर्व विश्व नंबर एक नाओमी ओसाका ने रूस की ल्यूडमिला समसोनोवा के खिलाफ संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की। ओसाका ने 4-6, 7-6 (6), 6-3 से मुकाबला अपने नाम किया।

जूनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप में तीसरे दिन हॉकी बंगाल और तेलंगाना हॉकी की शानदार जीत

एजेंसी

चेन्नई। 15वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के तीसरे दिन डिवीजन 'बी' के मुकाबलों में हॉकी बंगाल और तेलंगाना हॉकी ने अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों को कड़े मुकाबले में हराकर दमदार प्रदर्शन किया। हॉकी बंगाल ने गोअन्स हॉकी को 4-2 से हराया, वहीं तेलंगाना हॉकी ने हॉकी हिमाचल को 2-1 से मात दी। पहले मुकाबले में दोनों टीमों के बीच शुरुआत से ही जोरदार संघर्ष देखने को मिला। पहले हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी, लेकिन तीसरे क्वार्टर में मुन्ना कुमार सिंह (37फीसदी) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके हॉकी बंगाल का खाता खोला। जवाब में अंश अंकुश गावंकर (42फीसदी) ने शानदार फील्ड गोल कर गोअन्स हॉकी को बराबरी दिलाई और तीसरे क्वार्टर के अंत में स्कोर 1-1 रहा। आखिरी

क्वार्टर में मुकाबला रोमांचक हो गया, जब शिवम रबिदास (47फीसदी) और हितेन रजक (49फीसदी) ने दो मिनट के अंतराल में दो गोल कर बंगाल को 3-1 की बढ़त दिला दी। गोअन्स हॉकी की ओर से साहिल प्रमोद जांबोटकर (54फीसदी) ने एक और गोल कर अंतर घटाया, लेकिन सुवम पात्र (57फीसदी) ने अंतिम क्षणों में पेनल्टी कॉर्नर से गोल कर बंगाल की जीत सुनिश्चित की। घायल प्रोफेसर से मिले पूर्व केंद्रीय मंत्री व बीजेपी नेता, स्वास्थ्य का हाल जाना, अफसरों से की बात

दूसरे मुकाबले में तेलंगाना हॉकी की टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। अमित दयाल (11फीसदी) और सैराम चौहान (14फीसदी) ने पहले क्वार्टर में ही दो गोल कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई।

दूसरे क्वार्टर में हिमाचल ने तेलंगाना को रोकने में कामयाबी पाई और स्कोर में कोई बदलाव नहीं हुआ। तीसरे क्वार्टर में सिद्धांत कौशल (33फीसदी) ने गोल कर हिमाचल को वापसी का मौका दिया। हालांकि, अंतिम क्वार्टर में हिमाचल की कोशिशें नाकाम रहीं और तेलंगाना ने 2-1 से मुकाबला जीत लिया।

शुभमन गिल पांचवें टेस्ट में बनाएंगे बड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी

लंदन। भारत 31 जुलाई से ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच की तैयारी कर रहा है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सभी प्रारूपों में 6000 रन पूरे करने से केवल 32 रन दूर हैं। गिल ने 112 मैचों में 46.62 की औसत और 79.92 के स्ट्राइक रेट से 5968 रन बनाए हैं। उन्होंने 25 अर्धशतक और 18 शतक लगाए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रहा है। भारतीय कप्तान इंग्लैंड के खिलाफ चल रही एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में अब तक खेले गए चार मैचों में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 8 पारियों में 90.25 की औसत से 722 रन बनाए हैं। चौथे टेस्ट की तीसरी पारी में गिल ने 103 रनों की पारी खेली, जो इस सीरीज का उनका चौथा शतक था और यह पारी मुश्किल परिस्थितियों में खेली गई। इस शतक के साथ गिल डॉन ब्रैडमैन और सुनील गावस्कर की बराबरी पर आ गए, जिन्होंने टेस्ट इतिहास में एक ही सीरीज में चार शतक जड़े हैं। ब्रैडमैन ने 1947-48 में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में यह कमाल किया था, जबकि गावस्कर ने 1978-79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में धमाल मचाया था। गिल ने यह उपलब्धि विदेशी धरती पर और कप्तान के रूप में अपनी पहली टेस्ट सीरीज में हासिल की। कप्तान के रूप में अपनी पहली टेस्ट सीरीज में किसी अन्य खिलाड़ी ने चार शतक नहीं लगाए हैं। इससे पहले सर्वश्रेष्ठ तीन शतक थे, यह रिकॉर्ड खेल के पांच महान खिलाड़ियों वारविक आर्मस्ट्रांग, डॉन ब्रैडमैन, ग्रेग चैपल, विराट कोहली और स्टीवन स्मिथ के नाम था।

जर्मन ओलंपिक विजेता लॉरा डाहलमाइयर की पाकिस्तान में पर्वतारोहण हादसे में मौत

एजेंसी

बर्लिन/इस्लामाबाद। जर्मनी की दो बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बायथलॉन खिलाड़ी लॉरा डाहलमाइयर का पाकिस्तान के काराकोरम पर्वत श्रृंखला में पर्वतारोहण के दौरान एक दुखद हादसे में निधन हो गया। वह 31 वर्ष की थीं। दुर्घटना 28 जुलाई को लगभग 5,700 मीटर (18,700 फीट) की ऊंचाई पर स्थित लैला पीक के पास हुई, जब लॉरा अपने पर्वतारोहण साथी मारिना ईवा के साथ चढ़ाई कर रही थीं। इसी दौरान अचानक चट्टानों के गिरने की घटना हुई, जिसमें लॉरा फंस गई। मारिना ने तुरंत आपातकालीन सेवाओं को सूचित किया। लॉरा की प्रबंधन कंपनी ने उनकी मृत्यु की पुष्टि की। एक बयान में कहा गया कि 28 जुलाई को हादसे के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया थे लेकिन

खबर मौसम की वजह से इसे 29 जुलाई की शीम को रोकना पड़ा। प्रबंधन कंपनी ने यह भी बताया कि लॉरा ने पूर्व में स्पष्ट रूप से लिखित में इच्छा जताई थी कि अगर ऐसा कोई हादसा हो तो उनके बचाव के प्रयास में किसी और की जान को खतरे में न डाला जाए। उनके शरीर को पर्वत पर ही छोड़ दिया जाए। उनके परिजन भी इसी निर्णय के साथ हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की अध्यक्ष कर्स्टी कोवेंट्री ने कहा, यह समाचार हम सभी के लिए अत्यंत स्तब्ध करने वाला है। लॉरा ने अपने प्रिय पर्वतों में जीवन खोया, लेकिन वह हमेशा हमारी स्मृतियों में जीवित रहेंगी। जर्मन राष्ट्रपति फ्रैंक वॉल्टर श्टाइनमायर ने लॉरा को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें देश की वैश्विक राजदूत और सीमाओं से परे शांतिपूर्ण, आनंदपूर्ण और निष्पक्ष सहअस्तित्व की मिसाल बताया। जर्मन ओलंपिक समिति ने भी लॉरा की असामयिक मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा, वह न केवल एक महान खिलाड़ी थीं, बल्कि एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व भी थीं। उनकी अनुपस्थिति खेल और समाज दोनों के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

गौरवशाली खेल करियर

लॉरा डाहलमाइयर बायथलॉन की दुनिया में एक चमकता सितारा थीं। उन्होंने 2018 प्योंगचांग शीतकालीन ओलंपिक में दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता था।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट से बेन स्टोक्स बाहर, आर्चर को आराम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ लंदन के ओवल में खेले जाने वाले पांचवें और निर्णायक टेस्ट मैच से पहले इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के कप्तान बेन स्टोक्स कंधे की गंभीर चोट के कारण इस मुकाबले से बाहर हो गए हैं। अब ओली पोप इंग्लैंड की कप्तानी करेंगे। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इसकी पुष्टि की। पांच मैचों की सीरीज़ में फिलहाल इंग्लैंड 2-1 से आगे है और यह टेस्ट निर्णायक मुकाबला होगा। स्टोक्स इस सीरीज़ में कुल 140 ओवर डाल चुके हैं और 17 विकेट के साथ अभी तक सीरीज़ के सबसे सफल गेंदबाज़ भी रहे हैं। स्टोक्स ने प्री मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं सीरीज़ का अंत नहीं कर पाने से बेहद निराश हूं। स्कैन रिपोर्ट में साफ हो गया कि मैं गेंदबाज़ी नहीं कर सकता। मेडिकल टीम और कोच ब्रेंडन मैकुलम से बात करने के बाद यह फैसला लेना पड़ा।

इंग्लैंड ने मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट के ड्रॉ होने के बाद अपनी टीम में कुल चार बदलाव किए हैं। जैकब बेथेल, जोश टंग, गस एटकिंसन, और जेमी ओवरटन को टीम में शामिल किया गया है। तेज़ गेंदबाज़ जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स को आराम दिया गया है। ऑलराउंडर जैकब बेथेल इस साल का अपना पहला टेस्ट

खेलेंगे और वह स्टोक्स की जगह लेंगे। वहीं, स्पिनर लियाम डॉसन को टीम से बाहर कर दिया गया है, जिससे इंग्लैंड किसी भी स्पेशलिस्ट स्पिनर के बिना मैदान में उतरेगा।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम: जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप (कप्तान), जो रूट, हैरी ब्रुक, जैकब बेथेल, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, जेमी ओवरटन, जोश टंग।

केकेआर से अलग हुए भरत अरूण गेंदबाजी कोच के तौर पर इस टीम से जुड़े

एजेंसी

लखनऊ। हाल में कोलकाता नाइट राइडर्स से अलग हुए पूर्व भारतीय गेंदबाजी कोच भरत अरूण को लखनऊ सुपर जायंट्स ने इसी पद पर टीम से जोड़ा है। हालांकि अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फ्रेंचाइजी के एक करीबी सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर बताया, 'अरुण स्टाफ में शामिल हो गए हैं और जल्द ही औपचारिक घोषणा होने की उम्मीद है। अरुण पिछले कुछ साल से चयक्र से जुड़े थे लेकिन 2025 में टीम के आठवें स्थान पर रहने के बाद शाहरुख खान के स्वामित्व वाली यह फ्रेंचाइजी अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर रही है। इसी तरह पिछले सत्र में सातवें स्थान पर रहने के बाद स्टाफ भी अपने सहयोगी स्टाफ में बदलाव कर रही है। राष्ट्रीय टीम के अब तक के सबसे बेहतरीन गेंदबाजी कोचों में से एक अरुण अपनी रणनीतिक कुशलता के साथ प्रतिभाशाली तेज गेंदबाजों को निखारने के लिए भी मशहूर हैं। *LSG* अपने 'मेंटोर' जहीर खान के साथ अनुबंध बढ़ाएगी या नहीं, इसकी जानकारी का भी इंतजार है। पूर्व भारतीय दिग्गज का अनुबंध एक साल का था। यही बात मुख्य कोच जस्टिन लैंगर के लिए भी लागू है जो पिछले दो सत्र से टीम के साथ जुड़े हुए हैं।

टेस्ट रैंकिंग्स में स्टोक्स और जडेजा की बड़ी छलांग, अभिषेक शर्मा बने नंबर-1 टी20 बल्लेबाज़

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और भारत के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने हाल ही में खेले गए इंग्लैंड-भारत चौथे टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईसीसी पुरुष टेस्ट रैंकिंग्स में बड़ी छलांग लगाई है।स्टोक्स ने टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग्स में तीन स्थान की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल कर लिया है, जो दिसंबर 2022 के बाद उनकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। उन्होंने मैच में 141 रन की पारी के साथ पहली पारी में पांच विकेट भी झटके थे। इससे वे बल्लेबाजों की सूची में आठ स्थान चढ़कर 34वें और गेंदबाजों में 42वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जडेजा ने 107* रन की जुझारू पारी और चार विकेट की मदद से ऑलराउंडर रैंकिंग्स में शीर्ष पर अपनी बादशाहत और भी पुख्ता कर ली है। वे अब 422 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे नंबर पर मौजूद बांग्लादेश के मेहदी हसन से 117 अंक आगे हैं। उन्होंने बल्लेबाजों की सूची में पांच स्थान चढ़कर 29वां स्थान और गेंदबाजों में एक स्थान ऊपर चढ़कर 14वां स्थान हासिल किया है।

रूट की बादशाहत कायम, डकेट और पोप को भी फायदा

इंग्लैंड के जो रूट ने ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट में 150 रन की शानदार पारी खेली, जिससे वे बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर मौजूद केन विलियमसन से 37 अंकों की बढ़त बनाए हुए हैं। इंग्लैंड के ओपनर बेन डकेट पांच स्थान ऊपर चढ़कर 10वें और ज़ैक क्रॉली दो स्थान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ओली पोप भी एक स्थान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर आ गए हैं।

भारत के ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर, जिन्होंने जडेजा के साथ 203 रनों की नाबाद साझेदारी की और 101* रन बनाए, आठ स्थान की छलांग लगाकर बल्लेबाजों की रैंकिंग में 65वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

उन्होंने दो विकेट भी लिए और ऑलराउंडर लिस्ट में भी आठ स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर आ गए हैं।

जॉफ्रा आर्चर और वोक्स को भी फायदा

तेज गेंदबाज जॉफ्रा आर्चर ने चार साल बाद टेस्ट क्रिकेट में लौटते हुए तीन विकेट लिए और गेंदबाजों की रैंकिंग में 38 स्थान ऊपर चढ़कर 63वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, क्रिस वोक्स एक स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर आ गए हैं।

टी20 रैंकिंग्स में धमाका: अभिषेक शर्मा बने नंबर-1 बल्लेबाज

भारतीय युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने पहली बार आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया है। ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड, जो पिछले एक साल से टॉप पर थे, वेस्ट इंडीज सीरीज़ में नहीं खेले और उनकी रैंकिंग गिर गई।

ऑस्ट्रेलिया के जोश इंग्लिस ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ 172 रन बनाए और छह स्थान ऊपर चढ़कर 9वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, टिम डेविड 12 स्थान ऊपर चढ़कर 18वें और कैमरन ग्रीन 64 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। वेस्ट इंडीज के ब्रैंडन किंग नौ स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं।टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष सात में कोई बदलाव नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड के जैकब डफी पहले स्थान पर कायम हैं। ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस सात स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

रिलायंस फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची में सर्वोच्च रैंक वाली भारतीय कंपनी

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने 2025 फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची में सर्वोच्च रैंक वाली भारतीय कंपनी के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है। आरआईएल ने पिछले चार वर्षों में 67 पायदान की छलांग लगाई है। फॉर्च्यून ग्लोबल की जारी नवीनतम रैंकिंग के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज नवीनतम सूची में 88वें स्थार पर है। फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची 31 मार्च 2025 को या उससे पहले समाप्त हुए वित्त वर्षों के लिए कुल राजस्व के आधार पर कंपनियों को रैंक करती है। इस साल फॉर्च्यून की ग्लोबल 500 सूची में भारत की नौ कंपनियां शामिल हैं। इनमें से पांच सार्वजनिक क्षेत्र की और चार निजी क्षेत्र की हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय जीवन बीमा निगम 95वें स्थान पर है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए फॉर्च्यून ग्लोबल 500 की सूची में शामिल होने का 22वां साल है, जो भारत की किसी भी अन्य निजी क्षेत्र की कंपनी की तुलना में काफी लंबा है। फॉर्च्यून ग्लोबल ने तेल से लेकर दूरसंचार और खुदरा क्षेत्र की इस कंपनी को नवीनतम सूची में 88वें स्थान पर रखा गया है, जो 2024 में 86वें स्थान से नीचे है। हालांकि, कंपनी ने पिछले चार वर्षों में 67 स्थानों की भारी बढ़त हासिल की है, जो 2021 में 155वें स्थान पर थी। इस तरह कंपनी ने पिछले चार साल में 67 पायदान की छलांग लगाई है।

ट्रंप के टैरिफ कार्ड से टूटा रुपया, डॉलर की तुलना में भारतीय मुद्रा में 61 पैसे की गिरावट

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 20 से 25 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का संकेत देने के कारण मुद्रा बाजार में रुपया बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। आज भारतीय मुद्रा डॉलर की तुलना में 61 पैसे फिसल कर 87.43 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय मुद्रा 86.82 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 28 पैसे की कमजोरी के साथ 87.10 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद कुछ समय के लिए डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपया मामूली सुधार के साथ 87.05 के स्तर तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद अमेरिका द्वारा भारत पर 20 से 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाए जाने की आशंका की वजह से बने घबराहट के माहौल में रुपया लगातार गिरता चला गया। इसी घबराहट के कारण रुपया डॉलर की तुलना में 70 पैसे की कमजोरी के साथ 87.52 के स्तर तक गिर गया। बाद में मुद्रा बाजार में डॉलर की आवक बढ़ने पर भारतीय मुद्रा ने निचले स्तर से 9 पैसे की रिकवरी करके 87.43 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।

नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट का आईपीओ 5 अगस्त को खुलेगा, प्राइस बैंड 95-100 रुपये प्रति शेयर

मुंबई। नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट (आरईआईटी) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 5 अगस्त को खुलेगा। रियल एस्टेट कंपनी सत्व ग्रुप और ब्लैकस्टोन कंपनी ने आईपीओ के लिए मूल्?य का दायरा (प्राइस बैंड) 95-100 रुपये प्रति शेयर तय किया है। ये ग्रॉस एसेट वैल्यू (जीएवी) के आधार पर भारत का सबसे बड़ा आरईआईटी है, जो लिस्टिंग के बाद सबसे अधिक ज्योग्राफिकली डायवर्स ऑफिस आरईआईटी होगा। कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि यह आईपीओ पांच अगस्त को खुलकर 7 अगस्त को बंद होगा। इस निर्गम के लिए मूल्य का दायरा 95 से 100 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने इस आईपीओ लाने और आरईआईटी को शेयर बाजारों पर सूचीबद्ध करने के लिए मार्च की शुरुआत में पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दस्तावेजों का मसौदा (डीआरएचपी) दाखिल किया था। इसमें एंकर निवेशक और स्ट्रैटेजिक निवेशक के अलावा अन्य निवेशक कम से कम 150 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इसके बाद 150 यूनिट्स के गुणकों में बोली बढ़ा सकते हैं। एंकर निवेशक के लिए बोली की तारीख आईपीओ खुलने से एक दिन पहले 4 अगस्त है।

ट्रंप के दबाव के बावजूद फेडरल रिजर्व ने नहीं घटायी ब्याज दर

वाशिंगटन। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव को दरकिनार करते हुये नीतिगत ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया। फेडरल मुक्त बाजार समिति (एफओएमसी) की बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया है कि वह अधिकतम रोजगार और दीर्घावधि में दो प्रतिशत मुद्रास्फीति दर का लक्ष्य हासिल करना चाहती है। उसने कहा कि आर्थिक परिदृश्य को लेकर अनिश्चितताएँ बढ़ गयी हैं। समिति ने कहा कि उसने फेडरल फंड के लिए 4.25 से 4.5 प्रतिशत ब्याज दर बनाये रखने का फैसला किया है। उल्लेखनीय है कि श्री ट्रंप चाहते थे कि फेड नीतिगत ब्याज दरों में कटौती करे। वह पिछले सप्ताह फेडरल रिजर्व के मुख्यालय भी गये थे, जो आम तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं करते। उन्होंने बुधवार सुबह ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में भी लिखा, दूसरी तिमाही के जीडीपी के आँकड़े आ गये हैं: 3 प्रतिशत, उम्मीद से कहीं बेहतर। पहले ही बहुत देर हो चुकी है, अब दरों में कटौती करें। कोई मुद्रास्फीति नहीं! लोगों को अपना घर खरीदने दें और रिफाइनेंस करने दें। फेड ने अपने बयान में माना है कि मुद्रास्फीति में कुछ सुधार हुआ है, बेरोजगारी दर कम है और श्रम बाजार की स्थिति मजबूत है, हालाँकि हालिया संकेतक बताते है।

केंद्र ने दिल्ली को दी 821.26 करोड़ की विशेष सहायता : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को 821.26 करोड़ रुपये की विशेष सहायता राशि प्रदान की है। इसमें से 66 प्रतिशत राशि तुरंत जारी कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने इस राशि को मंजूर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है और कहा कि उनके मार्गदर्शन से देश की राजधानी सही मायनों मे विकसित दिल्ली बनने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने 'राज्यों के लिए पूंजीगत निवेश हेतु विशेष सहायता योजना' (एसएएससीआई) 2025-26 के अंतर्गत दिल्ली के विकास के लिए 821.26 करोड़ रुपये राशि मंजूर की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से मिली इस विशेष सहायता राशि से दिल्ली के बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा।

बुनियादी ढांचे का विकास होने से ही दिल्ली का सर्वांगीण विकास हो पाएगा। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि इसमें से 716.00 करोड़ रुपये की राशि पार्ट-I के अंतर्गत 33 बहु-प्रतीक्षित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए मंजूर की गई है, जिनमें स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, परिवहन, जल संसाधन और बिजली जैसे जन-सेवा क्षेत्रों की योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कुल स्वीकृत राशि का 66 प्रतिशत हिस्सा (प्रथम किश्त) तुरंत जारी कर दिया गया, जिससे परियोजनाओं के शीघ्र आरंभ करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा 105.26 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि (पार्ट-III के अंतर्गत) एमआरटीएस फेज-4 के प्रायोरिटी कॉरिडोर से संबंधित परियोजनाओं के लिए स्वीकृत की गई है। यह केवल एक वित्तीय स्वीकृति नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में विकसित दिल्ली के लिए एक ठोस आधार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में वह फिर केंद्र सरकार के पास जाएंगी और दिल्ली के सर्वांगीण विकास के लिए और बजट लेकर आएंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश की राजधानी को आदर्श शहर बनाने का वादा किया है और हमारी सरकार उनके प्रयासों में महती भागीदारी निभाएगी।

क्रेडिफिन लिमिटेड ने गुजरात में परिचालन शुरू करने का किया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) क्रेडिफिन लिमिटेड (पूर्व नाम पीएचएफ लीजिंग लिमिटेड) ने गुजरात में अपने संचालन की शुरुआत करने का ऐलान किया। इसके साथ ही क्रेडिफिन लिमिटेड का परिचालन अब देश के 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में होने लगा है। क्रेडिफिन लिमिटेड ने जारी बयान में बताया कि वह अगस्त, 2025 से गुजरात के पांच प्रमुख शहरों अहमदाबाद, गांधीनगर, राजकोट, सूरत और वडोदरा में अपने संचालन की शुरुआत करेगी। कंपनी इन शहरों में ई-रिक्शा, ई-लोडर और इलेक्ट्रिक दोपहिया के लिए इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) ऋण खंड की पेशकश करेगी। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शल्य गुप्ता ने कहा, क्रेडिफिन भारत की हरित परिवहन क्रांति में एक महत्वपूर्ण हिस्सेदार है। उन्?होंने बताया कि यह ई-रिक्शा एवं ई-लोडर खंड में मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) की एक स्थापित साझेदार है। गुप्?ता ने आगे कहा, गुजरात हमारे लिए एक रणनीतिक अवसर पेश करता है, जहां

हम स्थानीय ईवी डीलरशिप, ओईएम और वित्तीय प्रौद्योगिकी के साथ मिलकर एकीकृत वित्तीय समाधान प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य अगले वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक गुजरात के सभी प्रमुख शहरों में उपस्थित होना है। क्रेडिफिन शुरुआत में गुजरात में 30 से 40 कर्मचारियों को नियुक्त करेगी, जो अगले वर्ष के अंत तक बढ़कर 100 तक पहुंच जाएगी।

रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी की छुट्टी के मद्देनजर पेटीएम ट्रैवल देगा यात्रा पर छूट

एजेंसी

नई दिल्ली। आगामी त्योहारों को देखते हुए पेटीएम (वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) ने पेटीएम ट्रैवल मेगा फेस्टिवल सेल की घोषणा की है। यह ऑफर रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी जैसे आगामी त्योहारों के लिए उड़ानों और बस बुकिंग पर अधिकतम 20 प्रतिशत तक की छूट प्रदान करता है।

यह सेल 31 जुलाई तक लाइव है, इसे त्योहारों के दौरान परिवार से मिलने, लंबे सप्ताहांत की यात्राओं या छुट्टियों की योजनाओं को अधिक किफायती बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। कंपनी ने बैंक ऑफ बड़ौदा, आईसीआईसीआईसीआई बैंक और आरबीएल बैंक जैसे प्रमुख बैंकों के साथ साझेदारी की है ताकि कार्डधारकों को विशेष छूट दी जा सके। इन बैंकों के खाता धारकों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 10 से 12 प्रतिशत तक की छूट मिलेगा। ट्रेन यात्रा करने वाले उपयोगकर्ता जो पेटीएम के माध्यम से बुकिंग करते हैं, वे यूपीआई द्वारा भुगतान करते समय शून्य पेमेंट गेटवे शुल्क का लाभ उठा सकते हैं। इसके साथ ही, प्लेटफ़ॉर्म मुफ्त कैंसलेशन की सुविधा भी दे रहा है, जिसमें 100 प्रतिशत त्वरित रिफंड सीधे स्रोत खाते में ट्रांसफर होता है- यह सभी प्रकार की ट्रेन टिकट बुकिंग, यहां तक कि तत्काल टिकटों पर भी लागू है। उपयोगकर्ता लाइव ट्रेन रनिंग स्टेटस, पीएनआर अपडेट और टिकट एश्योर सेवा का लाभ भी उठा सकते हैं। यह सेवा यात्रियों को पास के स्टेशनों, कनेक्टिंग रूट्स और लचीली यात्रा तिथियों के विकल्पों के माध्यम से कन्फर्म टिकट पाने में मदद करती है।पेटीएम ट्रैवल प्रवक्ता ने कहा, त्योहार परिवारों को एक साथ लाते हैं, और यात्रा उन पुनर्मिलनों का एक अनिवार्य हिस्सा है। पेटीएम ट्रैवल मेगा फेस्टिवल सेल के माध्यम से, हम अपने उपयोगकर्ताओं को आगामी लंबे सप्ताहांत का अधिकतम लाभ उठाने में मदद करना चाहते हैं, वह भी शानदार छूट और आसान, सुरक्षित बुकिंग अनुभव के साथ। हम अपने मजबूत बैंक साझेदारों और ग्राहक-केंद्रित ऑफ़र्स के ज़रिए यात्रा को और अधिक सुलभ और आनंददायक बना रहे हैं। पेटीएम ट्रैवल ने हाल ही में ट्रैवल पास पेश किया है, जो बार-बार यात्रा करने वालों के लिए महत्वपूर्ण बचत व सुविधा देने वाला एक सब्सक्रिप्शन आधारित ऑफर है। यह पास मुफ्त कैंसलेशन और मुफ्त यात्रा बीमा जैसी सुविधाएं देता है, जिससे यह यात्रियों के लिए एक किफायती विकल्प बनता है।कंपनी ने अगोडा के साथ साझेदारी की है जिससे उपयोगकर्ता पेटीएम ऐप पर होटल बुक कर सकते हैं और भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों पर अगोडा की विस्तृत स्टे रेंज का लाभ उठा सकते हैं।

ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का किया ऐलान, एक अगस्त से होगा लागू

एजेंसी

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अगले दौर की बातचीत के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अगस्त से भारत पर 25 फीसदी टैरिफ (शुल्क) लगाने का ऐलान किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा कि भारत, रूस से हथियार और ऑयल खरीद रहा है। इसलिए उस पर जुर्माना भी लगाएंगे। ट्रंप ने एक और पोस्ट में कहा कि अमेरिका के साथ भारत का व्यापार घाटा बहुत ज्यादा है, इसलिए वे भारतीय सामानों पर टैरिफ लगा रहे हैं, जो एक अगस्त से लागू होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस से तेल आयात करने के लिए भारत से आयातित सभी वस्तुओं पर दंडात्मक उपाय के तौर पर जुर्माना लगाने की भी घोषणा की है। ये 25 फीसदी शुल्क से अलग होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने भारत के साथ अपेक्षाकृत 'कम व्यापार' किया है, वार्ता में भारत के दृष्टिकोण से अतिरिक्त 26 फीसदी के टैरिफ को हटाना और स्टील, एल्युमीनियम तथा ऑटोमोबाइल क्षेत्र पर टैरिफ में ढील

क्योंकि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। ट्रंप ने आगे लिखा है कि इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन! भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अगले दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी टीम 25 अगस्त को भारत का दौरा करेगी। इस देना प्राथमिकता है। इससे पहले दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौता पर बातचीत का पिछला दौर वाशिंगटन में हुआ था, जहां भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल और दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच ने विस्तृत चर्चा की थी।

महिला स्वयं सहायता समूहों को बैंकों ने दिया 11 लाख करोड़ से ज्यादा का ऋण: शिवराज

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि दीनदयाल राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत औपचारिक वित्तीय संस्थानों के माध्यम से महिला स्वयं सहायता समूहों को अब तक 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरित किया जा चुका है। यह उपलब्धि समावेशी ग्रामीण विकास, महिलाओं के वित्तीय सशक्तीकरण और ग्राम स्तर पर आत्मनिर्भरता की दिशा में मोदी सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।शिवराज सिंह ने मीडिया से कहा कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय-डीएवाई-एनआरएलएम के तत्वावधान में देशभर की ग्रामीण गरीब महिलाएं मजबूत सामुदायिक संस्थाओं के माध्यम से अपनी आजीविका को सशक्त बना रही हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उन्हें बिना

कोलैटरल, ब्याज सब्सिडी एवं अन्य वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे वे अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर अपनी आय में वृद्धि करने में सक्षम हो रही हैं। 98 प्रतिशत से भी अधिक की उच्च पुनर्भुगतान दर से यह स्पष्ट होता है कि यह प्रयास विश्वास, अनुशासन और प्रबंधन में मिसाल बना है। उन्होंने बैंकिंग समुदाय के समर्थन की सराहना करते हुए कहा कि हमारे बैंकिंग पार्टनर्स ने करोड़ों ग्रामीण महिलाओं के सपनों को साकार करने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। बैंक सखियों के अथक प्रयासों ने स्वंय सहायता समूह - बैंक लिंकेज को सुगम बनाया है और समय पर ऋण पुनर्भुगतान सुनिश्चित किया है। उन्होंने बताया कि बैंकिंग साझेदारी का मुख्य योगदान यह है कि प्राथमिक क्षेत्र ऋण के अंतर्गत स्वंय सहायता समूह को आसान शर्तो पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही बैंक खातों की आधार व मोबाइल सीडिंग और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने का काम भी किया जा रहा है। शिवराज ने कहा कि पुनर्भुगतान व्यवस्था को भी मजबूत बनाया जा रहा है।

बैंक सखियां का योगदान यह हो रहा है कि वे लेन-देन, ऋण आवेदन, दस्तावेज़ीकरण में सहायता प्रदान कर रही हैं। साथ ही वित्तीय जागरूकता, बीमा, पेंशन आदि योजनाओं की जानकारी देने में भी मददगार साबित हो रही हैं। इसके अलावा समुदाय आधारित पुनर्भुगतान तंत्र को मजबूत करना और समय पर ऋण वसूली सुनिश्चित करना, ये भी इस महत्वपूर्ण योजना के तहत सुनिश्चित किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री शिवराज ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही लखपति दीदी जैसी पहल आज ग्रामीण भारत की लाखों महिलाओं की आर्थिक स्थिति को बदल रही हैं।

स्टील इंफ्रा सॉल्यूशंस कंपनी ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

एजेंसी

मंबई। स्टील इंफ्रा सॉल्यूशंस कंपनी लिमिटेड (सिस्कोल) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के अनुसार स्टील इंफ्रा सॉल्यूशंस कंपनी लिमिटेड (सिस्कोल) का 10 रुपये अंकित

मूल्य वाला यह आईपीओ 96 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयरों और 1.42 करोड़ इक्विटी शेयरों के ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) का मिश्रण है। डैम कैपिटल एडवाइजर्स इसके लिए एकमात्र बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं। स्टील इंफ्रा सॉल्यूशंस कंपनी लिमिटेड इस इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग वडोदरा, हैदराबाद और भिलाई में स्थित विनिर्माण सुविधाओं के विस्तार के लिए करेगी।

अल्ट्रावायलेट ने जयपुर में लॉन्च किया अत्याधुनिक एक्सपीरियंस सेंटर

एजेंसी

जयपुर। परफॉर्मेंस आधारित इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी अल्ट्रावायलेट ने जयपुर में अपने पहले अत्याधुनिक एक्सपीरियंस सेंटर का शुभारंभ किया। यूरोप में हाल ही में किए गए वैश्विक लॉन्च के बाद भारत में कंपनी का यह नया केंद्र उसके विस्तार की दिशा में एक अहम कदम है। यह सेंटर इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के क्षेत्र में अल्ट्रावायलेट की तकनीकी दक्षता, नवाचार और ग्राहकों को सशक्त अनुभव प्रदान करेगा। जयपुर में स्थापित यह एक्सपीरियंस सेंटर 'नेशनल टायर सेंटर' के साथ साझेदारी में शुरू किया गया है, जिसे 'यूवी स्पेस स्टेशन' नाम दिया गया है। यह सेंटर ग्राहकों को कंपनी की प्रमुख परफॉर्मेंस मोटरसाइकिलों - एफ77 माक 2 और एफ77 सुपरस्ट्रीट - का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करेगा। सेंटर को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि ग्राहक टेस्ट राइड से लेकर बाइक की खरीद, डिलीवरी और रखरखाव सेवाओं तक की संपूर्ण प्रक्रिया एक ही स्थान पर पूरी कर सकें। यहां एक पूर्ण सुसज्जित सेवा केंद्र भी है, जो वास्तविक स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता के साथ सभी प्रकार की मरम्मत और देखरेख की ज़रूरतों को पूरा करेगा। अल्ट्रावायलेट की दोनों परफॉर्मेंस इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलें 10.3 किलोवाट-घंटा बैटरी पैक से लैस हैं, जो 30 किलोवाट यानी 40.2 हॉर्सपावर की अधिकतम पावर देती हैं। इनमें 100 एनएम का दमदार पीक टॉर्क मिलता है। ये बाइक मात्र 2.8 सेकंड में 0 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पकड़ने में सक्षम हैं और इनकी अधिकतम गति 155 किलोमीटर प्रति घंटा है। दोनों मॉडलों की द्धुष्ष्ट रेंज 323 किलोमीटर तक है, जो इन्हें शहरी और लंबी दूरी की यात्रा के लिए उपयुक्त बनाती है। इस अवसर पर अल्ट्रावायलेट के सीईओ और सह-संस्थापक नारायण सुब्रमण्यम ने कहा कि जयपुर जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शहर में कंपनी का पहला एक्सपीरियंस सेंटर स्थापित करना एक ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा कि जयपुर का स्मार्ट सिटी के रूप में तेजी से उभरना और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को लेकर बढ़ता रुझान इसे परफॉर्मेंस ईवी के लिए आदर्श बाजार बनाता है। उन्होंने आगे कहा कि शहर की विकासोन्मुख दृष्टि, टिकाऊ परिवहन और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता, अल्ट्रावायलेट की भविष्य के लिए तैयार डिजाइन और तकनीकी सोच के अनुरूप है। कंपनी ने अपने ग्राहकों को बेहतर अनुभव देने के लिए तकनीकी उन्नयन भी किए हैं। हाल ही में विकसित 'त्नश्चह3 पावरट्रेन फर्मवेयर' और 'Ballistic+' परफॉर्मेंस संवर्धन को बिना किसी अतिरिक्त लागत के सभी पुराने और नए एफ77 ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराया गया है।

पंजाब नेशनल बैंक का पहली तिमाही में मुनाफा 48 फीसदी घटकर 1,675 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे की घोषणा कर दी है। पहली तिमाही में सालाना आधार पर पीएनबी का मुनाफा 48 फीसदी घटकर 1,675 करोड़ रुपये रहा है। बैंक ने इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 3,252 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। पीएनबी ने शेयर बाजारों को बताया कि 30 जून को समाप्त अप्रैल-जून तिमाही में बैंक का एकल शुद्ध लाभ 48 फीसदी घटकर 1,675 करोड़ रुपये रहा है। इस दौरान उसकी कुल आय 32,166 करोड़ रुपये से बढ़कर 37,232 करोड़ रुपये हो गई। बैंक की ब्याज आय भी बढ़कर 31,964 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की

इसी तिमाही में 28,556 करोड़ रुपये थी। बैंक ने कहा कि पीएनबी का परिचालन लाभ पहली तिमाही में बढ़कर 7,081 करोड़ रुपये हो गया, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की समान आवधि में यह 6,581 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि, इस दौरान बैंक का कर व्यय दोगुना होकर 5,083 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 2,017 करोड़ रुपये था। इसके साथ ही बैंक की परिसंपत्ति की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। पीएनबी के मुताबिक अप्रैल-जून तिमाही के अंत तक बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) घटकर कुल ऋण का 3.78 फीसदी रह गईं, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 4.98 फीसदी थीं। इसी प्रकार बैंक का शुद्ध एनपीए भी घटकर 0.38 फीसदी रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 0.6 फीसदी था। बैंक का प्रावधान और आकस्मिक व्यय उल्लेखनीय रूप से घटकर 323 करोड़ रुपये रह गया है।

रिलायंस फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची में सर्वोच्च रैंक वाली भारतीय कंपनी

एजेंसी

नई दिल्ली।उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने 2025 फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची में सर्वोच्च रैंक वाली भारतीय कंपनी के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है। आरआईएल ने पिछले चार वर्षों में 67 पायदान की छलांग लगाई है। फॉर्च्यून ग्लोबल की बुधवार को जारी नवीनतम रैंकिंग के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज नवीनतम सूची में 88वें स्थार पर है। फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची 31 मार्च 2025 को या उससे पहले समाप्त हुए वित्त वर्षों के लिए कुल राजस्व के आधार पर कंपनियों को रैंक करती है। इस साल फॉर्च्यून की ग्लोबल 500 सूची में भारत की नौ कंपनियां शामिल हैं। इनमें से पांच सार्वजनिक क्षेत्र की और चार निजी क्षेत्र की हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय जीवन बीमा निगम 95वें स्थान पर है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए फॉर्च्यून ग्लोबल 500 की सूची में शामिल होने का 22वां साल है, जो भारत की किसी भी अन्य निजी क्षेत्र की कंपनी की तुलना में काफी लंबा है। फॉर्च्यून ग्लोबल ने तेल से लेकर दूरसंचार और खुदरा क्षेत्र की इस कंपनी को नवीनतम सूची में 88वें स्थान पर रखा गया है, जो 2024 में 86वें स्थान से नीचे है। हालांकि, कंपनी ने पिछले चार वर्षों में 67 स्थानों की भारी बढ़त हासिल की है, जो 2021 में 155वें स्थान पर थी। इस तरह कंपनी ने पिछले चार साल में 67 पायदान की छलांग लगाई है।

उतार-चढ़ाव के बीच मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने की 80 हजार करोड़ की कमाई

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि, बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। दिन के पहले सत्र में ज्यादातर समय बिकवाली का दबाव बना रहा। दूसरे सत्र के ज्यादातर समय लिवाली का जोर बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.18 प्रतिशत और निफ्टी 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान एफएमसीजी, आईटी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर ऑटोमोबाइल, रियल्टी और मेटल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह ऑयल एंड गैस और बैंकिंग इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई के मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 80 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 452.24 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 451.44 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से 80 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,158 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,030 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,966 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 162 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,654 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,355 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,299 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर बढ़त के साथ और 15 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 23 शेयर हरे निशान में और 27 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 256.57 अंक की तेजी के साथ 81,594.52 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में भी लगातार उतार-चढ़ाव होने लगा। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 150.89 अंक की कमजोरी के साथ 81,187.06 अंक तक गिर गया। दिन के दूसरे सत्र में खरीदारी शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से 430 अंक से ज्यादा उछल कर 281.01 अंक की बढ़त के साथ 81,618.96 अंक तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी 1 घंटे के कारोबार में हुई मुनाफा वसूली की वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 140 अंक लुढ़क कर 143.91 अंक की मजबूती के साथ 81,481.86 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 69.30 अंक उछल कर 24,890.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होने लगी। बिकवाली के दबाव में निफ्टी 49.15 अंक की कमजोरी के साथ 24,771.95 अंक तक गिर गया।

पूर्व राज्यपाल बलात्कार के आरोप में जेल भेजे गए, युवती पर लगाया ब्लैकमेलिंग का आरोप

एजेंसी

काठमांडू। मधेश प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राजेश झा अहिराज को काठमांडू की जिला अदालत ने बलात्कार के आरोप में न्यायिक हिरासत में रखने का आदेश दिया है। पूर्व राज्यपाल अहिराज ने अपने ऊपर बलात्कार का आरोप लगाने वाली युवती पर ब्लैकमेलिंग करने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। पूर्व राज्यपाल राजेश झा अहिराज पर एक 23 वर्षीय युवती ने नौकरी का झांसा देकर बलात्कार करने का आरोप लगाया था। राजेश झा के राज्यपाल रहते की गई शिकायत पर पुलिस ने जिला अदालत में मुकदमा दर्ज किया था। इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आज ही यह फैसला सुनाया है। काठमांडू जिला अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। जिला अदालत के न्यायाधीश पीतांबर शर्मा ने जेल में रह कर मुकदमे की कार्रवाई चलाने का आदेश दिया है। हालांकि, पूर्व राज्यपाल अहिराज ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों का खंडन किया है। अहिराज ने अपने ऊपर बलात्कार का आरोप लगाने वाली युवती के खिलाफ ही एक एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने युवती पर पैसों के लिए ब्लैकमेलिंग करने का आरोप लगाया है। अहिराज ने एफआईआर में युवती पर पहले 20 लाख रुपये मांगने और नहीं देने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की बात कही गई है।

चिली ने ईस्टर द्वीप के लिए जारी की सुनामी चेतावनी, निवासियों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील

सैंटियागो (चिली)। चिली सरकार ने ईस्टर द्वीप के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है और वहां के निवासियों को तुरंत सुरक्षित क्षेत्रों की ओर जाने का निर्देश दिया है। यह चेतावनी रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र में आए 8.8 तीव्रता के भूकंप के बाद जारी की गई है। ईस्टर द्वीप, जो प्रशांत महासागर में चिली की मुख्यभूमि से लगभग 3,200 किलोमीटर दूर स्थित है, यहां लगभग 8,000 लोगों के घर हैं। यह द्वीप अपनी ऐतिहासिक मोआई मूर्तियों के लिए विश्व प्रसिद्ध है और पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहता है। चिली की आपदा निवारण एजेंसी सेनाप्रेड ने एक आधिकारिक बयान में कहा, नागरिकों से अनुरोध है कि वे शांति बनाए रखें और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पूरी तरह पालन करें। राहत और बचाव टीमों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने द्वीप के तटीय क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों से ऊंचाई वाले इलाकों में जाने की अपील की है। इस बीच, अधिकारियों ने तटीय गतिविधियों पर अस्थायी रोक लगा दी है और स्कूलों व सार्वजनिक स्थलों को बंद कर दिया गया है। भूकंप का केंद्र रूस के कामचटका प्रायद्वीप के निकट समुद्र में था, लेकिन इसका असर प्रशांत क्षेत्र के कई हिस्सों में महसूस किया जा रहा है। ईस्टर द्वीप के निवासियों के लिए यह चेतावनी ऐहतियात के तौर पर जारी की गई है।

गाज़ा में कुपोषण से सात और लोगों की मौत

दुबई। गाजा पट्टी में पिछले 24 घंटों में कुपोषण से सात और लोगों की मौत हो गई है। फिलिस्तीनी क्षेत्र में हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार मंत्रालय ने बताया कि 2023 में इज़रायल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से कुपोषण से मरने वालों की कुल संख्या अब 154 हो गई जिसमें 89 बच्चे शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र समर्थित वैश्विक खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने मंगलवार को चेतावनी दी कि गाज़ा में अकाल की सबसे खराब स्थिति वर्तमान में चल रही है। इज़रायल ने कहा है कि वह गाज़ा में आने वाली सहायता पर प्रतिबंध नहीं लगा रहा है , लेकिन उसका ये दावा यूरोप में उसके करीबी सहयोगियों, संयुक्त राष्ट्र और गाज़ा में सक्रिय अन्य एजेंसियों द्वारा स्वीकार नहीं किया गया हैं। इस बीच अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ गुरुवार को गाजा संकट पर चर्चा करने के लिए इज़रायल की यात्रा पर जायेंगे। एक अलग घटनाक्रम में गाजा अस्पताल के सूत्रों ने बीबीसी को बताया कि दक्षिणी गाजा के राफा इलाके में गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) के सहायता वितरण केंद्र के पास छह फिलिस्तीनी मारे गए। सूत्रों ने बताया कि भीड़ ने वितरण केंद्र के खुलने से कुछ देर पहले ही उसमें घुसने की कोशिश की थी और एक इज़रायली टैंक ने उन पर हमला कर दिया।

दक्षिणी म्यांमार में बाढ़ के कारण 2,800 से अधिक लोगों को निकाला गया

यांगून। म्यांमार के कायिन प्रांत के म्यावड्डी कस्बे में बाढ़ में फंसे 771 घरों के कुल 2,851 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। म्यांमार अग्निशमन सेवा विभाग (एमएफएसडी) ने यह जानकारी दी। एमएफएसडी ने कहा कि भारी बारिश के कारण थाउंग्यिन नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया जिसके कारण लोगों को सुरक्षित निकाला गया। मौसम एवं जल विज्ञान विभाग के अनुसार आज म्यावड्डी में नदी खतरे के निशान से लगभग 12 फीट ऊपर बह रही है और अगले दिन तक खतरा बना रहने की आशंका है।

ट्रंप बोले, 'कौन जाने, हो सकता है पाकिस्तान किसी दिन भारत को बेचे तेल'

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार (भारतीय समयानुसार) घोषणा की है कि अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत दोनों देश मिलकर 'विशाल तेल भंडार' का संयुक्त रूप से विकास करेंगे। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में यह तेल भारत को निर्यात किया जा सकता है। यह घोषणा ऐसे समय में आई जब ट्रंप ने एक दिन पहले ही भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इसके साथ ही रूस के साथ भारत के तेल और हथियारों के व्यापार को लेकर और सख्त कदम उठाने की चेतावनी दी गई है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ' पर ट्रंप ने लिखा, 'हमने पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत पाकिस्तान और अमेरिका अपने विशाल तेल भंडार विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। हम उस तेल

कंपनी को चुनने की प्रक्रिया में हैं, जो इस साझेदारी का नेतृत्व करेगी। कौन जाने, हो सकता है कि वह किसी दिन भारत को तेल बेचें!' ट्रंप ने भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा करते हुए यह संकेत भी दिया है कि कच्चे तेल और रक्षा उपकरणों को लेकर रूस के साथ भारत की लगातार साझेदारी के जवाब में आर्थिक दबाव और बढ़ाया जा सकता है। अपनी पोस्ट में, ट्रंप ने यह भी कहा कि वह टैरिफ में कटौती के लिए कई देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम व्हाइट हाउस में व्यापार समझौतों पर काम करने में बहुत व्यस्त हैं। मैंने कई देशों के नेताओं से बात की है, जो सभी अमेरिका को 'बेहद खुश' करना चाहते हैं। ट्रंप ने दक्षिण कोरियाई व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ होने वाली एक बैठक का जिक्र करते हुए बताया कि सोल पर वर्तमान में 25 प्रतिशत टैरिफ दर लागू है। उन्होंने आगे कहा, 'उनके पास इन टैरिफ को कम करने का प्रस्ताव है। मुझे यह जानने में दिलचस्पी होगी कि वह प्रस्ताव क्या है।'

ट्रंप ने कहा कि इस तरह के समझौते अमेरिका के व्यापार घाटे को कम करने में मदद करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने 'उचित समय पर' पूरी रिपोर्ट देने का वादा किया।

सऊदी अरब ने 12 ईरानी मछुआरों को रिहा किया : ईरानी दूतावास

एजेंसी

तेहरान। सऊदी अरब में कैद 12 ईरानी नागरिकों को रिहा कर उनके स्वदेश भेज दिया गया है। यह जानकारी ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने दी। रिहा किए गए सभी व्यक्ति मछुआरे हैं, जिन्हें सऊदी जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। ईरान के दूतावास के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि इन मछुआरों की रिहाई कानूनी कार्यवाहियों और आवश्यक औपचारिकताओं की पूर्ति के बाद संभव हो सकी। दूतावास ने यह भी बताया कि इस पूरे प्रकरण में लगातार राजनयिक प्रयास और सऊदी अधिकारियों के साथ संवाद की अहम भूमिका रही। हालांकि रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं है कि इन मछुआरों को कब गिरफ्तार किया गया था और उनकी रिहाई तथा स्वदेश वापसी की तारीखें क्या थीं।

अब भी 15 मछुआरे बंद हैं

तसनीम एजेंसी ने यह भी जानकारी दी है कि अब भी 15 अन्य ईरानी मछुआरे सऊदी अरब की जेलों में बंद हैं, जिन पर इसी तरह का

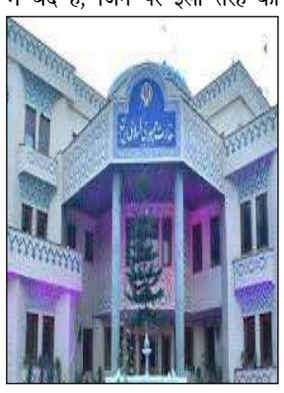

आरोप है। ईरानी दूतावास उनके मामलों को भी प्राथमिकता के साथ सऊदी विदेश मंत्रालय के समक्ष उठा रहा है, ताकि उनकी भी जल्द रिहाई सुनिश्चित की जा सके।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के बेतगारी संघ के अलदादपुर बालापारा गांव में हिंदुओं पर हमले के आरोप में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर बुधवार शाम रंगपुर डिवीजन की एक अदालत में पेश किया। अदालत ने पांचों को जेल भेज दिया। अलदादपुर बालापारा गांव रंगपुर के गंगाचारा उपजिले में आता है। द डेली स्टार की खबर के अनुसार, किशोरगंज पुलिस थाना के प्रभारी अशरफुल इस्लाम ने बताया कि रंगपुर की अदालत ने यासीन अली (25), स्वाधीन मिया (28), अशरफुल इस्लाम (28), अतीकुर रहमान खान (30) और सद्दाम हुसैन सलीम (22) को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सभी आरोपित निलफामारी के किशोरगंज उपजिले के अंतर्गत मगुरा गांव के निवासी हैं। पुलिस अधीक्षक अशरफुल ने बताया कि संयुक्त बलों के सदस्यों ने तड़के आरोपितों को उनके घरों से दबोचा।

इससे पहले मंगलवार रात पीड़ितों में से एक रवींद्र नाथ रॉय ने गंगाचारा मॉडल पुलिस थाने में तोड़फोड़ और लूटपाट का मामला दर्ज कराया था। प्राथमिकी में 1,200 अज्ञात व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया है। रॉय का आरोप है कि उनके पांच मवेशी, नकदी और सोने के आभूषण लूट लिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, अलदादपुर बालापारा गांव में हिंदू समुदाय पर हमला शनिवार रात और रविवार दोपहर किया गया था।

बीआरएएस ने बलूचिस्तान में पाकिस्तान के सैन्य बलों पर हमले और वाहनों को फूंकने की जिम्मेदारी ली

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में आजादी की लड़ाई में शामिल सशस्त्र समूहों के समन्वयक संगठन 'बलूच राजी आजोई संगर' (बीआरएएस) ने जमुरान क्षेत्र में पाकिस्तान के सैन्य बलों और उनको रसद सामग्री की आपूर्ति करने वाले वाहनों पर हमला करने का दावा किया है। बीआरएएस के प्रवक्ता बलूच खान ने स्वीकार किया कि यह हमला उसके लड़ाकों ने किया। लड़ाकों ने सुरक्षा बल के कई जवानों को ढेर कर दिया।द बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, बीआरएएस के प्रवक्ता बलूच खान ने 30 जुलाई को जारी बयान में यह दावा किया है। प्रवक्ता खान ने कहा कि 28 जुलाई की रात संगठन के लड़ाकों ने जमुरान के नवानो के पास पाकिस्तान सेना के लिए रसद सामग्री ले जा रहे वाहनों को रोककर उनमें आग लगा दी और चेतावनी देने के बाद ड्राइवरों को छोड़ दिया।बयान में कहा गया कि बीआरएएस के

लड़ाके रातभर इलाके में जमे रहे और 29 जुलाई को दूसरा हमला किया। पाकिस्तान सेना के वाहनों और मोटरसाइकिलों के काफिले पर कथित तौर पर रिमोट-नियंत्रित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस का इस्तेमाल कर हमला किया गया। इसके बाद स्वचालित हथियारों से गोलीबारी की। बीआरएएस ने दावा किया कि हमले में पांच सैन्यकर्मी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। बीआरएएस ने जमुरान के कुछ स्थानीय निवासियों पर सेना की मदद करने का आरोप लगाया है। समूह ने चेतावनी दी है कि लोग ऐसा न करें, वरना उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इस दौरान होने वाले जान-माल के नुकसान की जिम्मेदारी उन्हीं लोगों की होगी। बीआरएएस ने बयान में बलूचिस्तान की मुक्ति तक पाकिस्तान की सेना और उसके सहयोगियों के खिलाफ सशस्त्र प्रतिरोध जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

पश्चिम और मध्य अफ्रीका में 80 हजार बच्चों को हैजा का खतरा, संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी

एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र ने पश्चिम और मध्य अफ्रीका में हैजा के बढ़ते मामलों को लेकर फिक्र जाहिर की है। यूएन ने चेताया है कि बरसात के मौसम में लगभग 80,000 बच्चे हैजा की चपेट में आ सकते हैं। सिन्हुआ ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक के हवाले से बताया कि कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और नाइजीरिया में हैजा का प्रकोप ज्यादा है और इस वजह से पड़ोसी देशों में संक्रमण का जोखिम बढ़ गया है। इस स्थिति ने क्षेत्र में स्वास्थ्य संकट को और गहरा दिया है। हक ने कहा कि चाड, कांगो गणराज्य, घाना, कोट डी आइवर और टोगो जैसे देश वर्तमान में हैजा की महामारी से जूझ रहे हैं। इसके अलावा, नाइजर, लाइबेरिया, बेनिन, मध्य अफ्रीकी गणराज्य और कैमरून अपनी भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों के कारण इस

बीमारी के प्रति अति संवेदनशील हैं और इन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। बारिश का मौसम इस स्थिति को और जटिल बना रहा है, क्योंकि दूषित पानी और अपर्याप्त स्वच्छता सुविधाएं हैजा के प्रसार में मदद करती हैं। यूनिसेफ ने प्रकोप की शुरुआत से ही प्रभावित क्षेत्रों में सक्रियता से काम शुरू कर दिया है। संगठन उपचार केंद्रों और समुदायों को स्वास्थ्य, जल, स्वच्छता और सफाई से संबंधित आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा रहा है। इसके साथ ही, हैजा टीकाकरण अभियानों को बढ़ाने और परिवारों को स्वच्छ प्रथाओं के प्रति जागरूक करने के प्रयास तेज किए गए हैं। हक ने कहा कि इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए तत्काल और व्यापक प्रयासों की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र ने आगामी तीन महीनों में इमरजेंसी रिस्पॉन्स को ध्यान में रख 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया है। यह राशि स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छ जल आपूर्ति, स्वच्छता सुविधाओं, जोखिम संचार और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने में उपयोग की जाएगी। यूनिसेफ ने वैश्विक समुदाय से इस संकट से निपटने के लिए त्वरित सहायता की अपील की है ताकि हजारों बच्चों की जान बचाई जा सके और क्षेत्र में हैजा प्रसार को रोका जा सके।की आपूर्ति फिर से शुरू करने की अनुमति देना और यह स्पष्ट करना शामिल है।

ट्रंप प्रशासन निजी टेक कंपनियों के साथ मिलकर लॉन्च करेगा नया डिजिटल हेल्थ ट्रैकिंग सिस्टम

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन एक नई डिजिटल स्वास्थ्य पहल शुरू करने जा रहा है, जिसके तहत लाखों अमेरिकी नागरिकों को अपनी व्यक्तिगत स्वास्थ्य जानकारी और मेडिकल रिकॉर्ड मोबाइल ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अपलोड करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। यह व्यवस्था निजी टेक कंपनियों के सहयोग से विकसित की जा रही है, जिसमें गूगल, अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियों और क्लिवलैंड क्लिनिक जैसे प्रमुख अस्पताल समूहों की भागीदारी है। व्हाइट हाउस में इस नई योजना पर चर्चा के लिए 60 से अधिक कंपनियों और स्वास्थ्य संस्थानों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। प्रशासन इस पहल को ÷डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम÷ नाम दे रहा है, जिसका उद्देश्य अमेरिका में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक विस्तार करना है। नई प्रणाली विशेष रूप से डायबिटीज नियंत्रण, वजन प्रबंधन, और संवादी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर केंद्रित होगी, जो मरीजों को परामर्श और संवाद में मदद करेगी। इसके अलावा, क्यूआर कोड और ऐप-आधारित सिस्टम से मरीजों की जांच प्रक्रिया, दवा ट्रैकिंग और अस्पताल रजिस्ट्रेशन को और अधिक आसान बनाया जाएगा।

हालांकि इस पहल को आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, लेकिन इसके साथ डेटा गोपनीयता को लेकर चिंताएं भी सामने आई हैं।

नेपाल और भारत के बीच सीमा विवाद को अगले तीन साल में सुलझाने पर सहमति

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल और भारत के वरिष्ठ अधिकारियों ने तीन साल के भीतर द्विपक्षीय सीमा विवाद का समाधान करने पर सहमति व्यक्त की है। नई दिल्ली में नेपाल-भारत सीमा कार्य समूह (बीडब्ल्यूजी) की सातवीं बैठक में नेपाल का प्रतिनिधित्व कर काठमांडू लौटे सर्वेक्षण विभाग के महानिदेशक प्रकाश जोशी ने कहा कि सुस्ता और कालापानी के अलावा नेपाल-भारत सीमा के तकनीकी समस्याओं को तीन साल के भीतर सुलझाने करने का फैसला किया गया है। उन्होंने बताया कि बीडब्ल्यूजी को दिए गए जनादेश के अनुसार हमने एक नई समय सीमा निर्धारित की और जल्द से जल्द फील्ड वर्क को फिर से शुरू करने का फैसला किया। जोशी ने बैठक में नेपाली प्रतिनिधिमंडल का

नेतृत्व किया, जिसमें विदेश मामलों के मंत्रालयों, रक्षा और गृह और सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। नेपाल और भारत के बीच कोविड और सीमा विवाद के कारण 2019 के बाद भी बीडब्ल्यूजी की बैठक को छह साल के लिए स्थगित कर दिया गया था। सीमा कार्यों को समाप्त करने के लिए समयरेखा और रोडमैप तैयार करने के लिए दोनों पक्ष अगस्त में नेपाल में सर्वेक्षण अधिकारियों की समिति (एसओसी) की 12वीं बैठक बुलाने पर सहमत हुए हैं। तीन साल की समयसीमा को पूरा करने के लिए दोनों पक्ष संयुक्त फील्डवर्क को तुरंत फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं। तीन वर्षों के भीतर नेपाल और भारत के सर्वेक्षण अधिकारी नए सीमा स्तंभों का निर्माण करेंगे और क्षतिग्रस्त स्तंभों की मरम्मत करेंगे। जोशी के अनुसार दोनों पक्ष 'नो-मैन्स लैंड' में दोनों तरफ से किए गए अतिक्रमणों की सूची तैयार करेंगे और दोनों पक्षों के नागरिकों द्वारा संपत्तियों की क्रॉस होल्डिंग्स की सूची तैयार करेंगे।

टैरिफ युद्ध में किसी की जीत नहीं: चीन ने अमेरिका को चेताया

एजेंसी

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के साथ जारी व्यापारिक तनाव के बीच स्पष्ट कहा है कि टैरिफ युद्ध में किसी की जीत नहीं होती, और दबाव या धमकी से समस्याओं का समाधान नहीं निकलेगा।

यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका की ओर से चीन-रूस ऊर्जा व्यापार पर आपत्ति जताई गई है और अधिक टैरिफ लगाने की चेतावनी दी गई है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने मीडिया से बातचीत में कहा, बीजिंग आशा करता है कि अमेरिका राष्ट्रपति शी जिनपिंग और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई फोन वार्ता में बनी 'महत्वपूर्ण सहमति' का सम्मान करेगा और द्विपक्षीय स्थिरता को बढ़ावा देगा। हालांकि, गुओ ने यह भी दोहराया कि चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित

करने के लिए रूस से तेल और गैस की खरीद जारी रखेगा। उन्होंने कहा, चीन अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार तर्कसंगत उपाय करेगा। प्रभुत्व, सुरक्षा और विकास हितों की रक्षा चीन पूरी दृढ़ता से करेगा।

अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित कंपनियों को राहत देने का वादा

इस बीच, चीन की शीर्ष नेतृत्व संस्था पोलितब्यूरो ने अपनी ग्रीष्मकालीन आर्थिक योजना बैठक में अमेरिका द्वारा लगाए गए ऊंचे टैरिफ से प्रभावित चीनी कंपनियों को मदद देने का संकल्प लिया है। हालांकि, अमेरिका के साथ हाल की व्यापार वार्ता के बाद भी कोई बड़ा नीतिगत बदलाव घोषित नहीं किया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि निर्यात टैक्स रिबेट, फ्री ट्रेड पायलट ज़ोन और निवेश प्रोत्साहन जैसे उपायों के जरिए विदेशी व्यापार और निवेश को स्थिर किया जाएगा।

न्यूजीलैंड में सुनामी गतिविधि शुरू, तटीय इलाकों में लहरें और तेज धाराएं दर्ज

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के आपातकालीन प्रबंधन अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि देश के तटवर्ती क्षेत्रों में सुनामी की गतिविधि शुरू हो चुकी है। बुधवार देररात देशभर में मोबाइल फोन पर अलर्ट प्रसारित कर लोगों को समुद्र, तटों, बंदरगाहों, नदियों और खाड़ियों से दूर रहने की सलाह दी गई। हालांकि अब तक किसी इलाके में अनिवार्य निकासी आदेश जारी नहीं किए गए हैं, लेकिन अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मजबूत समुद्री धाराएं और लहरों का अचानक उठना लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। न्यूजीलैंड, भूकंप के केंद्र से लगभग 6,000 मील दूर है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि भूकंप के कारण उत्पन्न लहरों की पहली श्रृंखला सबसे बड़ी नहीं हो सकती। आने वाले समय में और भी बड़ी लहरें तटों से टकरा सकती हैं। अधिकारियों ने कहा है कि यह खतरा गुरुवार दोपहर तक बना रह सकता है और तब तक लोग समुद्री इलाकों से पूरी तरह दूर रहें। आपातकालीन विभाग ने लोगों से सावधानी और संयम बरतने की अपील की है और कहा है कि जब तक आधिकारिक रूप से अलर्ट रद्द नहीं किया जाता, तब तक सभी को इस खतरे को वास्तविक और गंभीर मानना चाहिए।

फ्रांस, ब्रिटेन के बाद कनाडा भी फिलिस्तीन को मान्यता देगा, इजराइल ने इन कोशिशों को पाखंड बताया

एजेंसी

ओटावा। फ्रांस और ब्रिटेन के बाद कनाडा और माल्टा ने भी फिलिस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा देने की घोषणा की है।सितंबर में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा में कनाडा, फिलिस्तीन को औपचारिक मान्यता देगा।

पिछले दस दिनों के भीतर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सितंबर में फिलिस्तीन को औपचारिक मान्यता देने की घोषणा की। फिलिस्तीन के मुद्दे पर फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा के साथ आने से जी-7 के तीन महत्वपूर्व देश एकसाथ आ गए हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि कनाडा 23 सितंबर से शुरू हो रही संयुक्त राष्ट्र महासभा में फिलिस्तीन को स्वतंत्र देश का दर्जा देने संबंधी कदम उठाएगा। हालांकि इसके लिए कुछ शर्तें जोड़ते हुए कार्नी ने कहा कि फिलिस्तीन को साल 2026 में आम चुनाव कराने होंगे, जिसमें हमास को कोई भूमिका नहीं होगी। साल 2006 के बाद से वहां चुनाव नहीं हुए हैं। साथ ही हथियार मुक्त फिलिस्तीन की शर्त जोड़ी गई है। कार्नी ने इस संबंध में फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से बात कर इन शर्तों का उल्लेख किया। कार्नी के मुताबिक फिलिस्तीन के राष्ट्रपति ने शर्तों को लेकर अपनी सहमति दे दी है।

उधर, माल्टा के विदेश मंत्रालय के स्थायी सचिव क्रिस्टोफर कटाजार ने कहा कि उनका देश सितंबर में फिलिस्तीन को औपचारिक मान्यता देगा। खास बात यह है कि ब्रिटेन और कनाडा ने फिलिस्तीन को मान्यता देने के लिए शर्तें रखी हैं। ब्रिटेन का कहना है कि इजराइल अगर हमास के साथ सीजफायर पर

सहमत नहीं होता है तो वह सितंबर में फिलिस्तीन को मान्यता देगा। कनाडा ने अगले साल चुनाव कराने और हथियारमुक्त फिलिस्तीन की शर्त रखी है। जबकि फ्रांस ने फिलिस्तीन को स्वतंत्र देश की मान्यता देने की मुहिम शुरू करते हुए बिना शर्त समर्थन दिया है। फिलिस्तीन को स्वतंत्र देश का दर्जा दिए जाने की इन घोषणाओं का इजराइल कड़ा विरोध करता रहा है। कनाडा की घोषणा के बाद इजराइल के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि यह गाजा में संघर्षविराम और बंधकों की रिहाई की कोशिशों को बाधित करेगा। इजराइल ने इसे पाखंड और समय की बर्बादी करार दिया है। फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र में 147 देशों का समर्थन है लेकिन संयुक्त राष्ट्र से उसे अभीतक अलग देश की मान्यता नहीं मिली है। फिलिस्तीन 70 के दशक से ही संयुक्त राष्ट्र में स्वतंत्र देश की मान्यता के लिए प्रयासरत है। गाजा में इजराइल और हमास के बीच करीब दो साल से जारी संघर्ष में अब तक 60 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। वहां खाद्यान्न संकट के साथ शरणार्थी शिविरों पर हमले से गहरा मानवीय संकट पैदा हो गया है। इसे लेकर इजराइल पर अंतरराष्ट्रीय दबाव लगातार बढ़ रहा है।

तोरिया : कम समय में पकने वाली फसल

- Bhupender

तोरिया / लाही रबी की तिलहनी फसलों में सबसे कम समय में पकने वाली और सबसे पहले बोयी जाने वाली फसल है। यह फसल आमतौर पर उत्तर भारत के सभी क्षेत्रों में उगाई जाती है। तोरिया की खेती, खरीफ फसल की कटाई तथा रबी की फसल की बुवाई के बीच के समय में ली जाती है । तोरिया शुद्ध और अंतरवर्ती फसल के रूप में भी उगाया जाता है।

तोरिया में 42 से 45 प्रतिशत तक तेल होता है और इसकी खली पशुओं के आहार के रूप में काम में लाई जाती है। उन्नत विधियां अपनाने पर तोरिया / लाही के उत्पादन एवं में वृद्धि की जा सकती है। इस लेख में तोरिया / लाही की उन्नत तकनीक से खेती कैसे करें का विस्तृत उल्लेख किया गया है।

उपयुक्त जलवायु

तोरिया / लाही की फसल के लिए 25 डिग्री सेंटीग्रेट से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तापमान की आवश्यकता होती है। अधिक या कम तापमान होने पर फसल में विकृति आने लगती है।

खेत का चयन

तोरिया की खेती से अच्छी उपज के लिये रेतीली दोमट एवं हल्की दोमट मिट्टी अधिक उपयुक्त है। भूमि क्षारीय एवं लवणीय नहीं होनी चाहिये। तोरिया की खेती अधिकांशत: बारानी की जाती है। बरानी खेती के लिये खेत को खरीफ में पड़त छोड़ना चाहिये। खेत में जल निकासी का उचित प्रबंध होना चाहिए।

खेत की तैयारी

पहली जुताई वर्षा ऋतु में मिट्टी पलटने वाले हल से करें। इसके बाद 3 से 4 जुताई करें। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा अवश्य लगावें जिससे भूमि में नमी की कमी न हो और मिटटी भुरभुरी हो जाये। सिंचित खेती के लिये भूमि की तैयारी बुवाई के 3 से 4 सप्ताह पूर्व प्रारम्भ करें।

दीमक और जमीन के अन्य कीड़ो की रोकथाम हेतु बुवाई से पूर्व अंतिम जुताई के समय क्यूनालफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलोंग्राम प्रति हैक्टेयर खेत में बिखेर कर जुताई करना चाहिये। नमी को ध्यान में रखकर जुताई के बाद पाटा लगाये।

अनुमोदित किस्में

टी 9- यह तोरिया या लाही की किस्म 85 से 100 दिन की पकाव अवधि वाली, बारानी व सिंचित दोनों स्थितियों में उगाये जाने के लिये उपयुक्त है। इसमें तेल की मात्रा 44.3 प्रतिशत होती है। बीज का रंग भूरा होता है। औसत उपज 12 से 15 क्विंटल प्रति हैक्टेयर होती है।

संगम- 105 दिन में पकने वाली इस किस्म में 44.2 प्रतिशत तेल की मात्रा होती है। सिंचित क्षेत्रों के लिये उपयुक्त इसकी उपज औसतन 15 क्विंटल प्रति हैक्टेयर होती है।

टी एल 15- जल्दी पकने वाली यह किस्म 85 से 90 दिन में पक जाती है। इसके पश्चात् गेहूं की फसल आसानी से ली जा सकती है। औसत उपज 10 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है।

भवानी- पकने की अवधि 75 से 80 दिन, उपज 10 से 12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर, सम्पूर्ण मैदानी क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है।

पीटी 303- पकने की अवधि 90 से 95 दिन, उपज 15 से 18 क्विंटल प्रति हेक्टेयर, सम्पूर्ण मैदानी क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है।

पीटी 30- पकने की अवधि 90 से 95 दिन, उपज 14 से 16 क्विंटल प्रति हेक्टेयर, सम्पूर्ण तराई क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है।

तपेश्वरी- पकने की अवधि 90 से 91 दिन, उपज 14 से 15 क्विंटल प्रति हेक्टेयर, सम्पूर्ण मैदानी क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है।

बीज एवं बीजोपचार

एक हैक्टेयर में बुवाई करने हेतु 4 से 5 किलोग्राम बीज पर्याप्त रहता है। बुवाई से पहले बीज को दो से ढाई ग्राम मैन्कोजेब या 3 ग्राम केप्टान या ब्रेसीकॉल प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। इससे कवक जनित रोग लगने का डर नहीं रहता है।

बुवाई का समय

खरीफ की फसल कटने के तुरन्त बाद खेत तैयार करके तोरिया की बुवाई करनी चाहिये। बुवाई का उपयुक्त समय 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक है। तोरिया के पश्चात गेहूं की जल्दी बोयी जाने वाली किस्म बोयी जानी हो तो तोरिया को अगस्त के अंतिम सप्ताह में बो देना चाहिये। यह फसल खरीफ एवं रबी की फसलों के बीच के समय में उगाई जाती है। अत: रबी में गेहूं की सफलतापूर्वक फसल लेने के लिये तोरिया की बुवाई समय पर करनी चाहिये।

बुवाई का अन्तराल

पौधे से पौधे की दूरी 8 से 10 सेन्टीमीटर रखते हुये कतारों में 5 सेन्टीमीटर गहरा बीज बोये। कतार से कतार के बीच की दूरी 30 सेन्टीमीटर रखे। असिंचित क्षेत्र में बीज की गहराई नमी के अनुसार रखें।

खाद एवं उर्वरक

सिंचित फसल के लिए प्रति हैक्टेयर 8 से 10 टन अच्छी गली सड़ी गोबर या कम्पोस्ट खाद, बुवाई के कम से कम तीन से चार सप्ताह पूर्व, खेत में डाल कर खेत तैयार करें। असिंचित फसल के लिये 4 से 5 टन सड़ी हुई खाद प्रति हैक्टेयर वर्षा से पहले ढेरियों में डाल दें और एक दो वर्षा के बाद खेत में फेला दे और जुताई कर दे।

उर्वरकों का प्रयोग मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार करें। इसके अभाव में तोरिया की सिंचित फसल लेने के लिये प्रति हैक्टेयर 40 किलोंग्राम नत्रजन एवं 20 किलोंग्राम फास्फोरस काम में लेना चाहिये। नत्रजन की आधी मात्रा एवं फॉस्फोरस की पूरी मात्रा बुवाई के समय देवें। शेष नत्रजन की आधी मात्रा प्रथम सिंचाई के साथ फसल में देवें। असिंचित क्षेत्र में 20 किलोग्राम नत्रजन व 10 किलोग्राम फॉस्फोरस बुवाई के समय दीजिये।

सिचांई एवं निराई-गुड़ाई

तोरिया की जड़े अधिक गहरी नहीं जाती है। अत: सिंचित क्षेत्रो में दो बार सिंचाई देने पर आशातीत पैदावार प्राप्त होती है। पहली सिंचाई 30 से 35 दिन बाद फूल आने से पहले करें, तत्पश्चात् आवश्यकतानुसार दूसरी सिंचाई 70 से 80 दिन बाद करें। पौधे की संख्या अधिक हो तो बुवाई के 20 से 25 दिन बाद निराई के साथ छंटाई कर खरपतावार निकाल दें तथा पौधे से पौधे की दूरी 8 से 10 सेन्टीमीटर कर देवें। सिंचाई के बाद गुड़ाई करने से खरपतवार नष्ट हो जायेगें और फसल की बढवार अच्छी होगी।

प्याजी की रोकथाम के लिये फ्लूक्लोरेलिन एक लीटर सक्रिय तत्व प्रति हैक्टेयर भूमि में मिलाये। जहां पलेवा करके बुवाई की जानी हो वहां फ्लूक्लोरेलिन बुवाई से पूर्व भूमि में मिला देना चाहिये, जबकि सूखी बुवाई की स्थिति में पहले फसल की बुवाई करें इसके पश्चात फ्लूक्लोरेलिन का छिड़काव कर सिंचाई कर दे।

> तोरिया की खेती से अच्छी उपज के लिये रेतीली दोमट एवं हल्की दोमट मिट्टी अधिक उपयुक्त है। भूमि क्षारीय एवं लवणीय नहीं होनी चाहिये। तोरिया की खेती अधिकांशत: बारानी की जाती है। बरानी खेती के लिये खेत को खरीफ में पड़त छोड़ना चाहिये। खेत में जल निकासी का उचित प्रबंध होना चाहिए।

फसल संरक्षण

पेन्टेड बग व आरा मक्खी- अंकुरण के 7 से 10 दिन में ये कीट अधिक हानि पहुंचाते हैं। इनकी रोकथाम के लिय सुबह या शाम के समय मिथाइल पैराथियॉन 2 प्रतिशत या मैलाथियान 5 प्रतिशत या कारबैरिल 5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलोग्राम का प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

हीरक तितली (डायमण्ड बैक मॉथ)- रोकथाम हेतु क्यूनालफॉस 25 ई सी एक लीटर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़कें।

मोयला- मोयला की रोकथाम हेतु मिथाइल पैराथियॉन 2 प्रतिशत या मैलाथियॉन 5 प्रतिशत या कार्बोरिल 5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर भुरके या पानी की सुविधा वाले स्थानों में मैलाथियान 50 ई सी 1.25 लीटर या डायमिथोएट 30 ई सी 8।5 मिलीलीटर या क्लोरोपायरीफॉस 20 ई सी 600 मिलीलीटर या कार्बरिल 50 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण 2.50 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से 800 से 1000 लीटर पानी में मिलाकर छिड़कें।

सफेद रोली, झुलसा व तुलासिता- रोग दिखाई देते ही मैंन्कोजेब दो किलोग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से पानी में मिलाकर छिड़कें एवं आवश्यकतानुसार 20 दिन के अन्तर पर छिड़काव दोहरायें।

छाछ्या- रोग दिखाई देते ही 20 किलोग्राम गंधक चूर्ण प्रति हैक्टेयर भुरके या ढाई किलोंग्राम 80 प्रतिशत घुलनशील गंधक या ।50 मिलीलीटर कैराथियॉन 30 एल सी ।50 लीटर पानी में मिलाकर छिड़कें।

फसल कटाई

समय पर उगाई गई तोरिया की फसल दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह से जनवरी के प्रथम सप्ताह तक पक जाती है। आमतौर पर जब पत्ते झड़ने लगे और फलियाँ पीली पड़ने लगे तो फसल काट लें अन्यथा कटाई में देरी होने पर दाने खेत में झड़ जाने की आशंका रहती है।

पैदावार

उपरोक्त उन्नत तकनीक और उन्नत प्रमाणित किस्मों द्वारा की गई खेती से 12 से 19 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उपज प्राप्त की जा सकती है और बीज को अच्छी तरह सुखाकर ही भण्डारण करना चाहिए।

गेंदा की खेती कैसे करें

Bhupender

गेंदा की खेती हमारे देश में लगभग हर क्षेत्र में की जाती है। यह बहुत महत्तवपूर्ण फूल की फसल है। क्योंकि इसका उपयोग व्यापक रूप से धार्मिक और सामाजिक कार्यों में किया जाता है। गेंदे की खेती व्यवसायिक रूप से केरोटीन पिगमेंट प्राप्त करने के लिए भी की जाती है। इसका उपयोग विभिन्न खाद्य पदार्थों में पीले रंग के लिए किया जाता है। गेंदा के फूल से प्राप्त तेल का उपयोग इत्र तथा अन्य सौन्दर्य प्रसाधन बनाने में किया जाता है। साथ ही यह औषधीय गुण के रूप में पहचान रखता है। कुछ फसलों में कीटों के प्रकोप को कम करने के लिए फसलों के बीच में इसके कुछ पौधों को लगाया जाता है।

कम समय के साथ कम लागत की फसल होने के कारण यह काफी लोकप्रिय फसल बन गई है। गेंदा के फूल आकार और रंग में आकर्षक होते हैं। इसकी खेती आसान होने के कारण इसे व्यापक रूप से अपनाया जा रहा है। आकार और रंग के आधार पर इसकी दो किस्में होती हैं- अफ्रीकी गेंदा और फ्रैंच गेंदा। इसके प्रमुख उत्पादक राज्य महांराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, आंध्रा प्रदेश, तामिलनाडू और मध्य प्रदेश है। यदि उत्पादक बंधु गेंदा की खेती वैज्ञानिक तकनीक अपनाकर करें, तो इसकी फसल से उत्तम उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। इस लेख में गेंदा की उन्नत खेती कैसे करें की विस्तृत जानकारी का उल्लेख किया गया है।

उपयुक्त जलवायु

अफ्रीकन एवं फ्रेंच गेंदा की खेती वर्ष भर की जाती है। इनका विभिन्न समय पर पौध रोपण करने पर लगभग वर्ष भर पुष्पोत्पादन मिलता रहता है। खुला स्थान जहाँ पर सूर्य की रोशनी सुबह से शाम तक रहती हो, ऐसे स्थानों पर गेंदा की खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। छायादार स्थानों पर इसके पुष्प उत्पादन की उपज बहुत कम हो जाती हैं तथा गुणवत्ता भी घट जाती है। शीतोष्ण जलवायु को छोड़कर अन्य जलवायु में इसकी खेती लगभग वर्ष भर की जा सकती है। शीतोष्ण जलवायु में इसका पुष्पोत्पादन केवल गर्मी के मौसम में किया जा सकता है।

भूमि का चयन

गेंदा की खेती वैसे तो हर प्रकार की भूमि में की जा सकती है। परन्तु भरपूर उपज के लिए जीवांशयुक्त उपजाऊ दोमट मिट्टी जिसका पी एच मान 6.0 से 6.8 के मध्य हो, अधिक उपयुक्त रहती है। खेत में जलन निकास का उचित प्रबंध होना भी नितांत आवश्यक है।

खेत की तैयारी

गेंदा की खेती के लिए पौध की रोपाई के लगभग 15 दिन पहले भूमि की मिट्टी पलटने वाले हल से दो से तीन बार अच्छी तरह जुताई कर ले तथा मिट्टी में 30 टन प्रति हैक्टेयर की दर से अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद मिला देनी चाहिए। क्यारीयों की चौड़ाई एवं लम्बाई सिंचाई के साधन एवं खेत के आकार पर निर्भर करती है। खेत समतल होने पर क्यारीयां लम्बी एवं चौड़ी बनानी चाहिए, लेकिन खेत नीच ऊंच होने पर क्यारी का आकार छोटा रखना चाहिए। लेकिन दो क्यारियों के बीच में 1 से 1.5 फीट चौड़ा मेड़ रखनी चाहिए।

उन्नत प्रजातियाँ

गेंदा पुष्प उत्पादन के दृष्टिकोण से अफ्रिकन गेंदा और फ्रेंच गेंदा दो प्रकार की किस्में प्रचलित है, जैसे-

अफ्रिक्कन गेंदा- अफ्रिक्कन गेंदे के पौधे 90 से 95 सेंटीमीटर तक लम्बे तथा बड़ी-बड़ी शाखाओं वाले होते है। फूलों का रंग पीला, सुनहरा पीला, नारंगी आदि होता है। इसकी प्रचलित व्यवसायिक किस्में इस प्रकार है, जैसे-

बड़े फूलों वाली- पूसा नारंगी गेंदा, पूसा वसन्ती गेंदा, पूसा बहार, यलो सुप्रीम, क्लाईमैक्स, जीनिया गोल्ड, गोल्ड काँचन, सन जाइंट समाइलस और मैन इन दी मून आदि प्रमुख है।

मध्यम आकार के फूलों वाली- जुवलो सीरिज, हैप्पी फेस, गोल्ड जैलोट और लोडी आदि प्रमुख है।

छोटे आकार के फूलों वाली- स्पेस राज सीरिज, अपोलो मून शोट, मैरीनेट, जिरेंक, गोल्डन रे, स्पन पीला, क्यूपिड, हैप्पीनेस और डोली आदि प्रमुख है।

फ्रेंच्च गेंदा- फ्रेंच्च गेंदे के पौधे अफ्रिकन गेंदे की अपेक्षा छोटे होते हैं। इस प्रजाती के पौधे की वृद्धि तीव्र गति से होती है। इस कारण यह फसल अफ्रिकन गेंदे की अपेक्षा शीघ्र तैयार हो जाती है। फ्रेंच गेंदे के फूल विभिन्न आकर्षक रंगो जैसे पीला, संतरी, भूरा, महारानी, दोरंगा तथा कई रंगो के मिश्रण आदि में पाए जाते है। फ्रेंच गेंदे की किस्मों को पौधों की ऊँचाई के आधार पर विभक्त किया जाता है, जैसे-

छोटे पौधे वाली- पूसा अर्पिता, फ्लैम, फ्लेमिंग फायर डबल और रस्टी रैड आदि प्रमुख है।

सबसे छोटे पौधे वाली- इस वर्ग में पिटाइट सीरिज की किस्में जो आमतौर पर 15 सेंटीमीटर तक बढ़ती है, जैसे- गोल्ड, जिप्सी, ओरेंज फ्लैम, डैन्टी मरीटा, स्टार ऑफ इण्डिया व टीना में इकहेर फूल आते है।

एफ 1 हाइब्रिड- अपोलो, क्लाइमैक्स, फस्ट लेडी, गोल्ड लेडी, ओरेंज लेड़ी, इन्का येलो, इन्का गोल्ड और इन्का ओरेंज आदि प्रमुख है।

गेंदा का प्रवर्धन

गेंदा का प्रवर्धन बीज तथा वानस्पतिक भाग शाखा से कलम विधि द्वारा किया जाता है। वानस्पतिक विधि द्वारा प्रवर्धन करने से पौधे पैतृक जैसे ही उत्पादित होते हैं। व्यवसायिक स्तर पर गेंदा का प्रवर्धन बीज द्वारा किया जाता है। इसका 800 ग्राम से 1 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से लगता है। गेंदा का प्रवर्धन कलम विधि द्वारा करने के लिए 6 से 8 सेंटीमीटर लम्बी कलम पौधे के उपरी भाग से लेते हैं।

पौधे से कलम को अलग करने के उपरान्त कलम के निचले हिस्से से 3 से 4 सेंटीमीटर तक की सभी पत्तियों को ब्लेड से काट देते हैं तथा कलम के निचले भाग को तिरछा काटते हैं। इसके बाद कलम को बालू में 2 से 3 सेंटीमीटर गहराई पर लगा देते हैं।

कलम को बालू में लगा देने के 20 से 25 दिन बाद कलम में जड़ें बन जाती हैं। इस प्रकार वानस्पतिक प्रवर्धन विधि से पौधा बन कर रोपण हेतु तैयार हो जाता है।

बुवाई का समय

गर्मी के मौसम का गेंदा पुष्पोत्पादन करने हेतु फरवरी माह के दूसरे सप्ताह तथा वर्षा ऋतु के समय पुष्पोत्पादन हेतु जून के पहले सप्ताह में बीज की बुवाई करनी चाहिए। सर्दी के मौसम का पुष्पोत्पादन हेतु सितम्बर माह के दूसरे सप्ताह में बीज की बुवाई करनी चाहिए। नर्सरी में बीज की बुवाई के एक माह बाद पौध रोपण हेतु तैयार हो जाती है।

नर्सरी तैयार करना

गेंदा की पौध तैयार करने के लिए सामान्य तौर पर 1 मीटर चौड़ा तथा 15 से 20 सेंटीमीटर जमीन को सतह से ऊंची क्यारी बनाते हैं। दो क्यारियों के बीच में 30 से 40 सेंटीमीटर का फासला छोड़ देते हैं, जिससे सुगमतापूर्वक नर्सरी में खरपतवार निकाई तथा क्यारी से पौधों को रोपण हेतु निकाला जा सके नर्सरी की क्यारी की मिट्टी अच्छी तरह भुरभुरी करके मिट्टी में सड़ी हुई गोबर की खाद 10 से 12 किलोग्राम प्रति वर्गमीटर के दर से मिला देते हैं।

यदि बलुई दोमट मिट्टी न हो तो क्यारी में आवश्यकतानुसार बालू की मात्रा भी मिला देते हैं। क्यारी में बीज की बुवाई से पहले 2 ग्राम कैप्टान प्रति लीटर पानी में घोल कर सभी क्यारियों में डेंच कर देना चाहिए, इससे नर्सरी में कवक का प्रकोप कम हो जाता है। जिसके कारण बीज के अंकुरण के बाद पौधों की मृत्यु दर कम हो जाती है। क्यारी में बीज की बुवाई दो पंक्तियों के बीच में 6 से 8 सेंटीमीटर का फासला रखते हुए 1.5 से 2 सेंटीमीटर की गहराई पर करनी चाहिए।

पंक्तियों में बीज पास-पास नहीं रखना चाहिए क्योंकि पास-पास बीज की बुवाई करने से पौध कमजोर हो जाती है। जिससे पुष्प उत्पादन भी कम होता है। बीज की बुवाई के बाद सड़ी पत्ती की खाद या बालू की पतली परत क्यारी के उपर बिछा देना चाहिए। ऐसा करने से क्यारी में नमी बनी रहती है और बीज का अंकुरण भी अधिक होता है। क्यारियों में गर्मी के मौसम में सुबह-शाम तथा सर्दी एवं बरसात के मौसम में सुबह पानी प्रतिदिन फुहारा से देना चाहिए।

पौध रोपण

नर्सरी में गेंदा बीज की बुवाई के एक माह बाद पौध रोपण हेतु तैयार हो जाती है। अफ्रीकन गेंदा 40 × 40 सेंटीमीटर तथा फ्रेंच 30 × 30 सेंटीमीटर पौध से पौध एवं पंक्ति से पंक्ति के फांसले पर तथा 4 से 5 सेंटीमीटर गहराई पर रोपना चाहिए। पौध रोपण गर्मी के मौसम में सांयकाल तथा सर्दी एवं बरसात में पूरे दिन किया जा सकता है। पौध रोपण के समय यदि पौध लम्बा हो गया हो तो लगाने से पहले उसका शीर्षनोचन कर देना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक

गोबर की सड़ी खाद 250 से 300 क्विंटल प्रति हैक्टेयर की दर से डालना चाहिए। इसके अतिरिक्त रासायनिक उर्वरकों द्वारा 200 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर नत्रजन और 80 किलोग्राम फास्फोरस एवं 80 किलोग्राम पोटाश देने से पुष्पोत्पादन बढ़ जाता है। फास्फोरस एवं पोटाश को पूरी मात्रा हेतु सिंगल सुपरफास्फेट तथा म्यूरेट आफ पोटाश को क्यारियों की तैयारी के समय मिट्टी में मिला देना चाहिए। नत्रजन की मात्रा को तीन बराबर भाग में बांट कर एक भाग क्यारीयों की तैयारी के समय एवं दो भाग पौध रोपण से 30 एवं 50 दिन पर यूरिया या कॅल्शियम अमोनियम नाइट्रेट उर्वरक द्वारा देना चाहिए।

सिंचाई प्रबंधन

गेंदा की खेती में पौधों की बढ़वार एवं पुष्पोत्पादन में सिंचाई का विशेष महत्व है। सिंचाई के पानी का पी एच मान 6.5 से ।.5 तक लाभकारी पाया गया है। पौध रोपण के तुरन्त बाद सिंचाई खुली नाली विधि से की जाती है। मृदा में अच्छी नमी होने से जड़ों की अच्छी वृद्धि एवं विकास होता है और पौधों को मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्व उचित मात्रा में मिलता रहता है। शुष्क मौसम में सिंचाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। गर्मी में 5 से 6 दिन तथा सर्दी में 8 से 10 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करनी चाहिए। क्यारियों में पानी का जमाव नहीं होना चाहिए। बरसात में अत्याधिक पानी की निकासी के लिए जल निकास नाली पहले से तैयार रखनी चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार जब छोटा रहे उसी समय खेत से बाहर निकाल देना चाहिए। गेंदा फसल की छोटी अवस्था में समय पर गुड़ाई करनी चाहिए। ऐसा करने से मिट्टी भुरभुरी बनी रहती हैं और जड़ों की अच्छी वृद्धि एवं विकास होता है। मिट्टी की गुड़ाई बहुत गहरी नहीं करनी चाहिए।

शीर्षनोचन

प्रथम- शीर्षनोचन पौधा की फैलाव को बढ़ाने के लिए किया जाता है। शीर्षनोचन दो बार करने से पुष्पोत्पादन बढ़ जाता हैं। यदि पौध रोपण बिलम्ब से किया गया हो तो केवल प्रथम शीर्षनोचन करना चाहिए। प्रथम पौध रोपण के समय यदि पौधों का शीर्षनोचन न किया गया हो तो पौध लगाने के 12 से 15 दिन बाद उन प्रत्येक पौधा का शीर्षनोचन हाथ से करना चाहिए।

जिनकी लम्बाई जमीन की सतह से 15 सेंटीमीटर से अधिक हो गयी हो। शीर्षनोचन के समय यह ध्यान रखा जाता है, कि शीर्षनोचन के उपरान्त पौध पर 4 से 5 पूर्ण विकसित पत्तियाँ बनी रहें। ऐसा करने से एक पौध पर 3 से 5 तक मुख्य शाखाएं आ जाती हैं। शाखाओं की संख्या बढ़ने पर पुष्पोत्पादन बढ़ जाता है।

द्वितीय- प्रथम शीर्षनोचन जैसा ही द्वितीय शीर्षनोचन करते हैं। इसमें मुख्य शाखाएं जब 15 से 20 सेंटीमीटर लम्बी हो जाती हैं, उस समय हर शाखा पर 4 से 5 पूर्ण विकसित पत्तियों छोड़कर शीर्षनोचन कर देते हैं।

कीट एवं रोकथाम

रेड स्पाइडर माइट- माइट गेंदा की पत्तियों का रस चूस लेते हैं। जिससे पत्तियाँ हरे रंग से भूरे रंग में बदलने लगती हैं और पौधों की बढ़वार बिल्कुल रुक जाती है। इसका अत्याधिक प्रकोप होने पर पुष्पोत्पादन भी नहीं हो पाता, जो कलियां बनती भी हैं, वह खिल भी नहीं पाती हैं।

रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए हिल्फोल 1.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करना चाहिए।

एफिड्स- एफिड्स रस चूसने वाला कीट है। इनका प्रकोप गेंदा फसल की पत्तियों, टहनियों एवं पुष्प कलियों पर होता है। यह पौधे की वृद्धि को कम कर देता है।

रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए मैलाथियान या इण्डोसल्फान का छिड़काव 2.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर करना चाहिए।

लीफमाइनर- लीफमाइनर नर एवं मादा दोनों गेंदा फसल को नुकसान पहुंचाते हैं। गेंदा में इसका प्रकोप होने पर पत्तियों में सफेद धारियां बन जाती हैं और पौधों की बढ़वार कम हो जाती है।

रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए 1.5 से 2 मिलीलीटर इण्डोसल्फान प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करना चाहिए।